www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper
or
Search on Play
store Bharat
Samvad E-Paper

2 आज का दिन महान गुरुओं को समर्पित

अमेरिका का वेनेजुएला की नाव पर हमला, 11 की मौत 06

वर्ष :17 | अंक :156 | प्रयागराज , शुक्रवार , 05 सितम्बर , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बिजनौर में तेज रफ्तार क्रेन की टक्कर से मां-बेटे की मौत

उत्तर प्रदेश के बिजनौर कोतवाली क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार क्रेन की टक्कर लगने से एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बिजनौर कोतवाली क्षेत्र में आज सुबह खूबचंद्र नामक व्यक्ति अपनी पत्नी सरिता (30) और सात-वर्षीय बेटे अक्की को लेकर जा रहा था, लेकिन रास्ते में बाईपास मार्ग पर वी.के. गार्डन के पास उसकी मोटरसाइकिल खराब हो गयी। सूत्रों के अनुसार, मोटरसाइकिल खराब होने पर खूबचंद्र, उनकी पत्नी तथा बेटा पैदल चलने लगे और इसी दौरान तेज रफ्तारर क्रेन ने मां-बेटे को टक्कर मार दी। उन्होंने कहा कि इस घटना में अक्की की मौके पर मौत हो गई, जबकि सरिता ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाली क्रेन को जब्त कर लिया है।

कार-बस की टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

दक्षिणी जिले के ओचिरा में बृहस्पतिवार को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस और एक एसयूवी गाड़ी के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो बच्चों सहित एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, परिवार कोच्चि हवाई अड्डे पर एक रिश्तेदार को विदा करने के बाद घर लौट रहा था, तभी सुबह करीब साढ़े छह बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओचिरा के वलियाकुलंगरा में उनके वाहन और कोल्लम से चेरथला जा रही केएसआरटीसी की एक बस के बीच सीधी टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान कोल्लम में थेवलकारा स्थित पाइप जंक्शन निवासी प्रिंस थौमस, उनके बेटे अतुल और बेटी अल्का के रूप में हुई है। परिवार के अन्य तीन लोग एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उनकी हालत गंभीर बताई गई है। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय लोगों ने एसयूवी के दरवाजे काटकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल ले गए लेकिन प्रिंस और उनके बच्चों की मौत हो गई थी। ओचिरा पुलिस ने पास की दुकानों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि एसयूवी की रफ्तार उस समय तेज थी और प्रिंस को गाड़ी चलाते समय झपकी लग गई होगी। उन्होंने कहा हालांकि, विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारण की पुष्टि हो सकेगी।

रोटी, पराठा, दूध, हेल्थ-लाइफ इंश्योरेंस टैक्स फ्री

जीएसटी के अब केवल दो स्लैब 5% और 18%; 22 सितंबर से लागू होंगे बदलाव

बदलाव

दैनिक आवश्यक वस्तुओं से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योगों तक पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। उपभोक्ता को सीधे राहत, उद्योगों को प्रोत्साहन और बाजार को गति मिलना इस निर्णय की तीन बड़ी उपलब्धियाँ हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली , अब जीएसटी के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5% और 18% होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पराठा, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। वहीं इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी। लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब 28% की जगह 40% जीएसटी लगेगा।

'बच्चों की टॉफियों पर भी कांग्रेस लगाती थी 21 परसेंट टैक्स, मैंने किया होता तो...', जीएसटी में बदलाव पर बोले पीएम मोदी

जीएसटी स्लैब में हुए सुधार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (4 सितंबर 2025) को कहा कि इस बार धनतेरस की रौनक भी ज्यादा रहेगी क्योंकि दर्जनों चीजों पर टैक्स अब बहुत ही कम हो गया है. उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में आगे बढ़ते हुए भारत में जीएसटी में भी नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म किया गया है. उन्होंने इस सुधार को देश के ग्रोथ का डबल डोज बताया. पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना

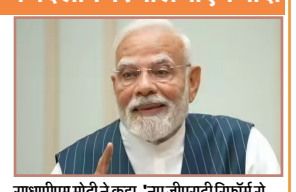

साधापीएम मोदी ने कहा, 'नए जीएसटी रिफॉर्म से देश के हर परिवार को बहुत बड़ा फायदा होगा.

नए स्लैब 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे

वित्त मंत्री ने बताया कि नए स्लैब नवरात्रि के पहले दिन, यानी 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। हालांकि, तंबाकू वाले सामान पर नई 40% जीएसटी दर अभी लागू नहीं होगी। इन बदलावों का मकसद आम आदमी को राहत देना, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करना और हानिकारक उत्पादों जैसे तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को कम करना है।

'गुंडा टैक्स सपा सरकार का संस्कार था'

गोरखपुर में सीएम योगी ने सपा को सुना दी खरी-खरी

गीडा के प्लास्टिक पार्क में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले निवेश सपना था.

एजेंसी

पूर्वी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास में गुरुवार का दिन काफी अहम रहा. गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) क्षेत्र में 2251 करोड़ रुपये के निवेश और विकास परियोजना का शिलान्यास व लोकार्पण किया. निवेश की परियोजनाओं में मल्टीनेशनल कंपनी कोका कोला के बॉटलिंग प्लांट का भूमि पूजन, देश में अग्रणी प्लास्टिक उत्पाद-पैकेजिंग कम्पनी टेक्नोप्लास्ट की यूनिट का लोकार्पण शामिल है. इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार में बने सुरक्षा के माहौल को निवेश की आधारशिला बताया. इस संदर्भ के उन्होंने पूर्व की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि व्यापारियों और उद्यमियों से गुंडा टैक्स की वसूली सपा सरकार के संस्कार का हिस्सा था. गीडा के प्लास्टिक पार्क में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले निवेश सपना था. डबल इंजन सरकार के द्वारा प्रतिबद्धता से जनसेवा के किए गए कार्यों का परिणाम है कि आज प्रदेश में विकास, निवेश और रोजगार की संभावनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा का माहौल बनता है तो निवेश आता है. निवेश से नौकरी और रोजगार के द्वार खुलते हैं. रोजगार से खुशहाली आती है।

बंगाल विधानसभा- भाजपा चीफ-व्हिप को मार्शलों ने घसीटकर निकाला हुए बेहोश

5 विधायक सस्पेंड, ममता ने सदन में मोदी चोर-वोट चोर के लगाए नारे

पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष को मार्शलों द्वारा सदन से बाहर निकाले जाने से हाई ड्रामा देखने को मिला। घोष को बंगाली प्रवासियों पर चर्चा के दौरान हंगामा करने और निलंबन के बाद भी सदन नहीं छोड़ने पर निलंबित किया गया था। यह घटना विपक्ष के राजनीतिक टकराव और विधानसभा में बढ़ती अशांति को दर्शाती है।

एजेंसी

कोलकाता , पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को बंगाली प्रवासियों पर हो रहे अत्याचारों पर चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रस्ताव पर बोल रहीं थीं। तभी विपक्ष (भाजपा) ने नारेबाजी शुरू कर दी। भाजपा विधायक 2 सितंबर को विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के निलंबन का विरोध कर रहे थे। टीएमसी विधायकों ने इन्हें रोकने की कोशिश की। जब विपक्ष के विधायक वेल तक पहुंच गए तो स्पीकर बिमान बनर्जी ने अव्यवस्था फैलाने के आरोप में भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष को विधानसभा से सस्पेंड कर दिया। घोष के बाहर जाने से इनकार करने पर मार्शलों को बुलाया गया। शंकर घोष को घसीटकर सदन से बाहर निकाला गया। बाहर निकालते समय वो गिरकर बेहोश हो गए, उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। घोष के अलावा चार अन्य भाजपा विधायक अग्निमित्र पॉल, मिहिर गोस्वामी, बंकिम घोष और अशोक डिंडा को भी सदन से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, स्पीच के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने मोदी चोर और वोट चोर के नारे लगाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा का तीन दिन का विशेष सत्र 1 सितंबर को शुरू हुआ था। 3 सितंबर को करम पूजा के कारण राजकीय छुट्टी थी। आज सत्र का आखिरी दिन है।

भाजपा भ्रष्ट लोगों की पार्टी है। हमने संसद में देखा कि कैसे भाजपा ने हमारे सांसदों को परेशान करने के लिए उकरऋ का इस्तेमाल किया। एक दिन ऐसा आएगा जब भाजपा का एक भी विधायक विधानसभा में नहीं बैठेगा। बस कुछ दिन इंतजार कीजिए, लोग आपको सत्ता से बाहर कर देंगे।

भाजपा नेता बोले- ममता ने पूरे मोदी समुदाय को गाली दी भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता ने सदन में पूरे मोदी समुदाय को गाली दी है। उनके खिलाफ केस करेंगे। सुवेंदु विधानसभा के सत्र से पहले ही सस्पेंड किए जा चुके हैं।

2 सितंबर को बहस के दौरान सुवेंदु ने टीएमसी पार्टी को पाकिस्तान का एजेंट कहा था। इसके बाद उन्हें कार्यवाही बाधा डालने के आरोप में विशेष सत्र के बचे हुए एक दिन लिए सस्पेंड कर दिया गया था।

ममता ने कहा- भाजपा बंगाल विरोधी

बंगाल भाजपा प्रवासियों पर हमलों पर विधानसभा में चर्चा के खिलाफ है, क्योंकि ये घटनाएं भगवा पार्टी शासित राज्यों में हो रही हैं। हम हिंदी या किसी अन्य भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भाजपा बंगाली विरोधी है। भाजपा की तानाशाही और औपनिवेशिक मानसिकता है, वह बंगाल को अपना उपनिवेश बनाना चाहती है। भाजपा ने विदेशी ताकतों के सामने भारत का सम्मान बेच दिया है। केंद्र कभी अमेरिका के सामने, तो कभी चीन के सामने भीख मांगता है।

ई-रिक्शा के लिए भी भारत-एनकैप जैसा सुरक्षा मानक लाने पर विचार: गडकरी

मंत्री ने आम लोगों से अपील की कि सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाएं, क्योंकि समय पर इलाज से लगभग 50,000 लोगों की जान बचाई जा सकती है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार देश में सड़क सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए ई-रिक्शा के लिए भी भारत एनकैप की तर्ज पर सुरक्षा मानक लाने पर विचार कर रही है। गडकरी ने फिक्की सड़क सुरक्षा पुरस्कार एवं संगोष्ठी के सातवें संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार के लिए एक अहम मुद्दा है। उन्होंने कहा, देश में हर साल करीब पांच लाख सड़क हादसे होते हैं, जिनमें 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। इनमें से 66.4 प्रतिशत मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र वाले लोगों की होती हैं। उन्होंने सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने और घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने की जरूरत पर बल दिया।

गडकरी ने इस प्रयास में ई-रिक्शा को सुरक्षित बनाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, ई-रिक्शा की संख्या देश में बहुत अधिक है। हम देख रहे हैं कि किस तरह इनके लिए सुरक्षा मानकों में सुधार किया जा सकता है। हम ई-रिक्शा के लिए भी भारत-एनकैप जैसे सुरक्षा मानक लाने जा रहे हैं। उन्होंने चार-पहिया वाहनों के लिए सुरक्षा मानकों को बेहतर करने के इरादे से वर्ष 2023 में भारत-एनकैप सुरक्षा मानक की शुरूआत की थी।

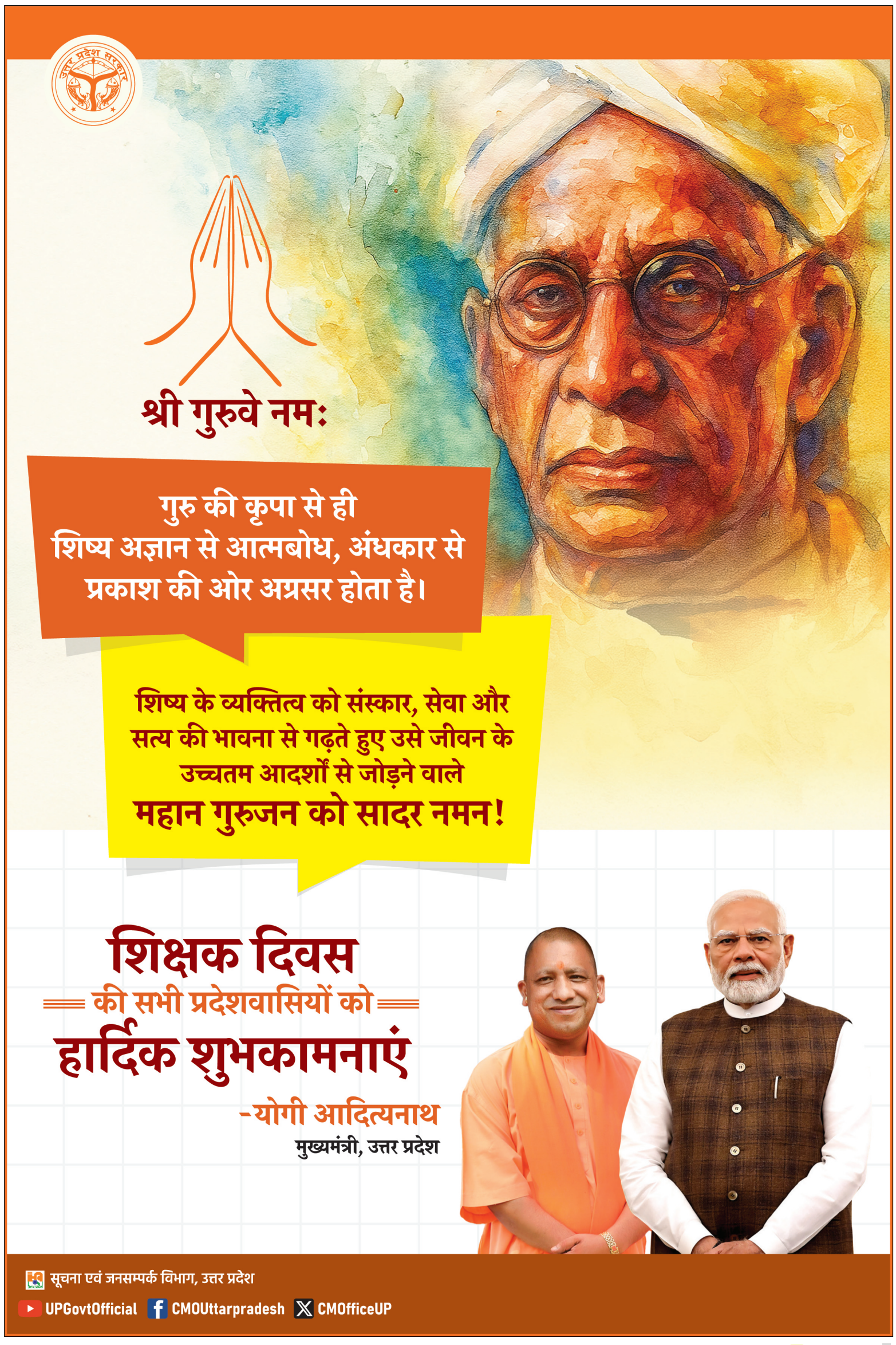

सम्पादकीय

राष्ट्रीय चिंता का विषय बने घुसपैठिए, विकास को बाधित करने के अलावा लोकतंत्र के लिए भी खतरा

सीमा पार से घुसपैठ भारत की सबसे गंभीर आंतरिक सुरक्षा चिंताओं में से एक बन गई है। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से इस खतरे को रेखांकित करते हुए कहा, अवैध घुसपैठिए हमारे युवाओं की रोजी-रोटी छीन रहे हैं, हमारी बेटियों और बहनों को निशाना बना रहे हैं और निर्दोष आदिवासियों की वन भूमि पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में इन जनसांख्यिकीय बदलावों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार ने एक उच्चस्तरीय जनसांख्यिकीय सुरक्षा मिशन के गठन की घोषणा भी की है। यह इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए एक दृढ़ प्रयास का संकेत देता है। घुसपैठ अब केवल सीमा-विशेष के स्तर पर ही समस्या नहीं रह गई है। दिल्ली, हैदराबाद, गुरुग्राम और पुणे जैसे प्रमुख शहरों में घुसपैठियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे शहरी सेवाओं और व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। इसके दूरगामी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। घुसपैठ एक राष्ट्रीय चिंता बन गई है। बांग्लादेश और म्यांमार से आए घुसपैठियों ने असम, बंगाल, त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों की जनसांख्यिकीय संरचना को बदल दिया है। इससे सामाजिक संतुलन बिगड़ा है। इसके चलते भूमि, भाषा और पहचान को लेकर टकराव पैदा हो रहा है। स्थानीय लोगों में धारणा बढ़ रही है कि घुसपैठिए कल्याणकारी योजनाओं और राजनीतिक तुष्टीकरण का लाभ उठा रहे हैं। इस धारणा ने जातीय राष्ट्रवाद और सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया है। कट्टरपंथी समूह ऐसी भावनाओं का फायदा उठाने में तत्पर रहते हैं, जिससे सामाजिक एकता को और खतरा पैदा होता है। इस समस्या को विकराल बनाने में राजनीतिक दल भी कम दोषी नहीं। अधिकांश दलों ने वोट-बैंक के लिए जाली दस्तावेजों के जरिये घुसपैठियों को सरकारी जमीनों खासकर नदियों के निकट और वन क्षेत्रों में बसाने में मदद की है। अल्पकालिक चुनावी लाभ के लिए इससे राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ दीर्घकालिक समझौता हो जाता है। इससे नागरिकों और राज्य के बीच अविश्वास गहराता है। समय रहते अगर इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह भारी अशांति का कारण बन सकता है, विशेषकर उन संवेदनशील क्षेत्रों में जहां जनसांख्यिकीय दबाव बढ़ रहा है। इसके तब और विध्वंसक परिणाम सामने आते हैं जब घुसपैठिए कृषि, निर्माण और घरेलू मजदूरी से जुड़े काम में संलग्न हो जाते हैं। इससे बाजार सस्ते मजदूरों से भर जाता है और स्थानीय श्रमिकों के हितों पर चोट पहुंचती है। सुरक्षा के जोखिम अलग बढ़ जाते हैं। कई घुसपैठिए अनौपचारिक या ग्रे इकोनमी में भी लिप्त होते हैं।

आज का विचार

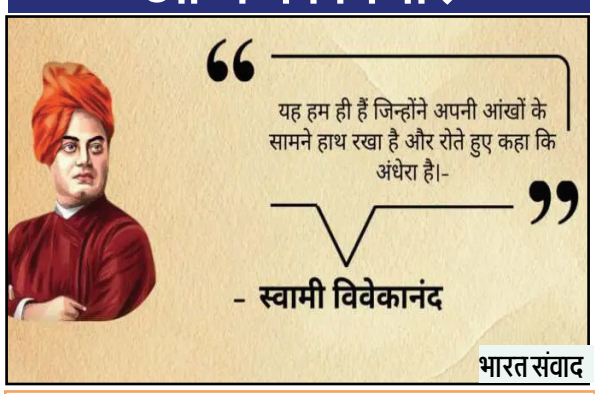

राशिफल

मेष राशि : आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, रचनात्मक कार्यों में भी थोड़ी रुचि बढ़ सकती है और नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

वृषभ राशि : कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अपनी मेहनत का शुभ फल प्राप्त होगा। सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है और आप शाम के समय आवश्यक सामानों की खरीदारी भी करने जा सकते हैं।

मिथुन राशि: समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है और कार्यक्षेत्र में भी प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार के मामले में आपको अपने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा और जीवनसाथी भी हर मोड़ पर साथ रहेंगे। अगर लंबे समय से किसी कर्ज का सामना कर रहे थे तो अब उससे भी राहत मिल सकती है।

कर्क राशि : आपको कोई उत्तम संपत्ति का सुख प्राप्त हो सकता है और अगर लंबे समय से कहीं धन रुका हुआ था, तो वह भी अब मिल सकता है। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिल सकती है। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहने होंगे।

सिंह राशि : कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा। उनका ख्याल करके कोई भी फैसला लेना ज्यादा बेहतर होगा और आपको संतोष महसूस होगा। कुछ मामलों में आप अपने आसपास के लोगों की सलाह भी ले सकते हैं, जो आपके काम आएगी।

कन्या राशि : आर्थिक मामलों में सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि, इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो सकता है।

तुला राशि: व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अचानक आए कुछ बदलावों और नए कामों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपको किसी भी नए काम में सारे पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना होगा।

वृश्चिक राशि : आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे, जिसके चलते आपकी सराहना भी की जाएगी। वहीं, बिजनेस के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है

धनु राशि : व्यापार के मामले में दिन मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ सकता है।

मकर राशि : कामकाज के सिलसिले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिसके द्वारा सफलता प्राप्त होगी और आपको सकारात्मक परिणाम भी मिल सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी दिन अनुकूल रहेगा। लेकिन इस समय किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचें, अन्यथा धन वापस मिलने की कम संभावना है।

कुंभ राशि: आपका दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। वहीं, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का मौका मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आप विरोधियों को पीछे छोड़ देंगे और आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के योग भी बने हुए हैं। आप दिन का कुछ समय पुण्य के कार्यों में भी व्यतीत कर सकते हैं।

मीन राशि : आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अपना कहीं रुका या खोया हुआ पैसा अब वापस मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं। अगर कार्यक्षेत्र में किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब उसका समाधान मिल सकता है। इसी के चलते तनाव भी कम होगा

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आज का दिन महान गुरुओं को समर्पित

हमारे देश में प्रतिवर्ष 5 सितंबर का दिन बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दिन को टीचर्स डे के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन को पहली बार भारत के दूसरे राष्ट्रपति के साथ ही एक महान शिक्षक दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर मनाया गया था। तबसे लेकर लगातार यह परंपरा जारी है।

हर साल 5 सितम्बर को देशभर के स्कूल और कॉलेजों में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह से मनाया जाता है। यह दिन उन महान गुरुओं को समर्पित है, जिनकी वजह से समाज में ज्ञान की ज्योति जलती रहती है। कहा जाता है कि बिना शिक्षक के जीवन अधूरा है, क्योंकि वे ही हमें सही और गलत की पहचान कराते हैं। शिक्षक न केवल किताबों का ज्ञान देते हैं, बल्कि जीवन जीने का तरीका और अच्छे इंसान बनने का मार्ग भी दिखाते हैं। यही कारण है कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर छात्र-छात्राएं अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए भाषण, निबंध और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक और भारत के राष्ट्रपति रह चुके हैं। शिक्षक दिवस के मौके पर यहां हमने आपके लिए कुछ निबंध के उदाहरण दिए हैं... शिक्षक दिवस पर निबंध लिखते समय सबसे पहले इसकी पृष्ठभूमि बताएं कि यह दिन 5 सितम्बर को क्यों मनाया जाता है और इसका संबंध डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन से कैसे है। निबंध की शुरूआत रोचक और आकर्षक वाक्य से करें ताकि पाठक का ध्यान खिंच सके। इसके बाद शिक्षक की भूमिका, समाज में उनका महत्व और बदलते समय में उनकी जिम्मेदारियों पर चर्चा करें। निबंध

में अपने व्यक्तिगत अनुभव या किसी प्रेरणादायक शिक्षक की बात शामिल करने से यह और खास बन जाता है। ध्यान रखें कि भाषा सरल, स्पष्ट और प्रवाहपूर्ण हो, ताकि आपका निबंध पढ़ने वाला आसानी से जुड़ सके।

शिक्षक दिवस का महत्व भारत में शिक्षक दिवस हर वर्ष 5 सितम्बर को मनाया जाता है। यह दिन महान दार्शनिक, विद्वान और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। जब वे राष्ट्रपति बने, तो उनके शिष्यों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि यदि यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो उन्हें गर्व होगा। तभी से यह परंपरा शुरू हुई। शिक्षक केवल पढ़ाई ही नहीं कराते, बल्कि हमें जीवन के मूल्य भी सिखाते हैं। वे अनुशासन, ईमानदारी, परिश्रम और सहयोग की भावना विकसित करते हैं। आधुनिक समय में शिक्षकों की भूमिका और भी बढ़ गई है। तकनीक और डिजिटल शिक्षा के दौर में भी शिक्षक ही विद्यार्थियों को सही दिशा दिखाते हैं। इस दिन विद्यार्थी अपने शिक्षकों को उपहार, कार्ड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सम्मान देते हैं। शिक्षक दिवस हमें यह समझाता है कि हमें हमेशा अपने गुरुओं का आदर करना चाहिए, क्योंकि उनके बिना हमारा जीवन अधूरा है। शिक्षक दिवस भारत का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हर साल 5 सितम्बर को मनाया जाता है। यह दिन भारत के दूसरे राष्ट्रपति और महान शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर मनाया जाता है। उनका मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण करना है। शिक्षक समाज की नींव होते हैं। वे विद्यार्थियों के जीवन को आकार देते हैं और उन्हें अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। एक अच्छा शिक्षक ज्ञान के साथ-साथ संस्कार और नैतिकता भी प्रदान करता है। वह विद्यार्थी को कठिनाइयों से लड़ना, मेहनत करना और जीवन में आगे बढ़ना सिखाता है। आधुनिक युग में शिक्षकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। ऑनलाइन शिक्षा, प्रतिस्पर्धा और बदलते मूल्यों के बीच शिक्षक विद्यार्थियों को संतुलित जीवन जीने की राह दिखाते हैं। वे तकनीक का उपयोग कर पढ़ाई को रोचक बनाते हैं और बच्चों के अंदर रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। शिक्षक दिवस पर विद्यालयों और कॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विद्यार्थी अपने शिक्षकों को फूल, कार्ड, कविता और भाषण के माध्यम से धन्यवाद देते हैं। इस दिन शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध और भी मजबूत हो जाता है। शिक्षक समाज के असली निमार्ता हैं। उनका सम्मान करना हर विद्यार्थी का कर्तव्य है। शिक्षक दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करें और उनके बताए मार्ग पर चलकर अच्छे इंसान बनें। शिक्षक हमारे मार्गदर्शक हैं, जो हमें सही रास्ते पर चलने में मदद करते हैं। वे हमें शिक्षा देते हैं, जो हमारे जीवन का आधार है। इसके साथ ही हमें सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। वे हमें जीवन के हर पहलू में सहायता करते हैं, जैसे कि कैसे अच्छे इंसान बनना है, कैसे समाज में योगदान करना है, और कैसे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना है। हमें अपने शिक्षकों को धन्यवाद देना चाहिए, जिन्होंने हमें पढ़ाया और हमारे जीवन को सुधारा। वे हमारे रोल मॉडल हैं, जिन्होंने हमें सही रास्ते पर चलने में मदद की है। यह दिन हमें मौका देता है उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का। वे हमारे जीवन को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनको जितना भी धन्यवाद दो कम ही है। आओ मिलकर शिक्षकों को धन्यवाद दें, जिन्होंने हमें पढ़ाया और हमारे जीवन को सुधारा। वैसे तो शिक्षक दिवस का महत्व केवल एक दिन के समारोह तक सीमित नहीं होना चाहिए। लेकिन तब भी, शिक्षक दिवस हमें अपने शिक्षकों को धन्यवाद देने और उनके योगदान को स्वीकार करने का अवसर प्रदान करता है। हमें अपने शिक्षकों द्वारा दिए गए ज्ञान को अपने जीवन में उतारना चाहिए। इस दिन हमें उनके योगदान की सराहना करते हुए, उन्हें धन्यवाद कहना चाहिए, क्योंकि उनके बिना हमारा जीवन अधूरा है।

उम्मीदों की चीप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

ललित गर्ग

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे विक्रम नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है। अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। विक्रम माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वदेशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत बना सकते हैं। 32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं

जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं बल्कि उसका सर्जक भी है। सूक्ष्म-संगणक की यह अभिकल्पना केवल एक चिप का निर्माण नहीं है

मानसून में कहर बरपाता प्रकृति का रौद्ररूप

(मनोज कुमार अग्रवाल)

इस बार का मानसून का सीजन उत्तर भारत में गंभीर प्राकृतिक आपदा बनकर कहर बरपा रहा है। आमतौर पर सूखे रहने वाले राजस्थान में भी रेतीले मैदान जलमग्न है उधर पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में मूसलाधार बारिश भूस्खलन से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। पंजाब के पठानकोट, फिरोजपुर समेत 12 जिले एक हफ्ते से बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में 1,312 गांवों के 2.56 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक 29 लोगों की मौत हो गई है। हरियाणा में भी बारिश का कहर जारी है भिवानी, हिसार, सिरसा, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में कुछ स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। गुरुग्राम के दफ्तरों में कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं। उधर, दिल्ली में यमुना नदी का पानी खतरे के निशान को पार करने के बाद ट्रांस-यमुना क्षेत्र की कई कॉलोनियों में घुस गया। सरकार ने यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास के इलाकों की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अपना जरूरी सामान लेकर राहत शिविरों में जाने की अपील की है। उत्तर प्रदेश, पंजाब,राजस्थान,हरियाणा से लेकर हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में अतिवृष्टि से नदिया उफान पर हैं, तो पहाड़ ढह रहे हैं। बादल फटने, भूस्खलन की घटनाओं में सैकड़ों जान जा चुकी है। लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जम्मू क्षेत्र में तबाही मचा दी है। वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन में 39 लोगों की मौत हो गई है, ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है, क्योंकि कई लोगों के बारे में अभी तक लापता होने की जानकारी दी जा रही है। प्रशासन के मुताबिक लगातार और भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज हो रहा है। गौरतलब है कि मंगलवार को दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ और पहाड़ की ढलान से पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें एकदम से नीचे गिरने लगीं। इससे बेखबर लोग इसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। मंदिर तक जाने के दो मार्ग हैं, जिसमें हिमकोटि पैदल मार्ग पर सुबह से यात्रा स्थगित कर दी गई थी, जबकि पुराने मार्ग पर दोपहर डेढ़ बजे तक यात्रा जारी थी। अब भारी बारिश के अंदेशे के बीच यात्रा अगले आदेश तक स्थगित करने का फैसला किया गया है। हालांकि यही समझ पहले दिखाई गई होती तो शायद 39 लोग अकाल मौत न मरते। जब लगातार तेज बारिश हो रही थी तो यात्रा जारी रखने की लापरवाही क्यों बरती गई। पहाड़ी इलाकों में बारिश का कहर लगातार बरप रहा है, फिर भी सरकार इस तरफ से सचेत क्यों नहीं हो रही, यह समझ से परे हैं। इससे पहले 14 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के मचैल माता मंदिर के रास्ते में पड़ने वाले आखिरी गांव चशोती में बादल फटने के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें कम से कम 65 लोगों की मौत हो गई और भीषण तबाही का मंजर सामने आया। मरने वालों में ज्यादातर तीर्थयात्री थे। इस प्राकृतिक आपदा में 100 से अधिक लोग घायल हो गए तथा 32 लोग अब भी लापता हैं। जम्मू-कश्मीर के अलावा हिमाचल प्रदेश और पंजाब भी बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में पिछले महीने ही बाढ़ से काफी तबाही हुई थी। अब एक बार फिर हालात गंभीर हैं। भारी बारिश के कारण प्रदेश के 8 जिलों में सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी कर दी गई है। वहीं व्यास नदी का जलस्तर अचानक इतना बढ़ गया कि यह नदी चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर बहने लगी। मनाली के बाहंग में कुछ दुकानें, घर और शेरे-ए-पंजाब होटल नदी में बह गए। फिलहाल नदियों का जलस्तर बढ़ने से मंडी, कांगड़ा, चंबा और कुल्लू में रेड अलर्ट जारी किया गया है। चंबा में मणिमहेश यात्रा भी रोक दी गई है लेकिन इससे पहले मणिमहेश यात्रा के दौरान ऑक्सीजन की कमी के चलते पंजाब के चार श्रद्धालुओं की मौत भी हो गई। वहीं मूसलाधार बारिश के बीच लाहौल- स्पीति, शिंकुला दर्रा, बारालाचा, खरदूंगला और रोहतांग जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है।

जीएसटी में महत्वपूर्ण बदलाव से मध्यमवर्गीय परिवार को राहत

भारत संवाद

महत्वपूर्ण निर्णय माननीय प्रधानमंत्री जी ने लिया है जो हमारे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक बहुत बड़ी खुशी की खबर है। आपने देखा माननीय प्रधानमंत्री जी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि दिवाली से पहले पहले सभी मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ा एक गिफ्ट मिलेगा बहुत बड़ा उपहार मिलेगा और कल माननीय वित्त मंत्री जी ने जीएसटी में जो एक महत्वपूर्ण बदलाव है वो घोषित किया है जो कि नवरात्रि के पहले दिन से लागू होगा। हमारे मध्यमवर्गीय परिवारों के जीवन में काम में आने वाली प्रायः प्रायः हर चीज चाहे खाने से संबंधित हो, चाहे पहनने से संबंधित हो, चाहे बच्चों की पढ़ाई से संबंधित हो, चाहे घर में टीवी स्कूटर से संबंधित हो, चाहे घर में वाशिंग मशीन से संबंधित हो हर चीज पर जीएसटी की दरें एक बड़ी मात्रा में कम की गई है जिससे कि हमारे जन जन के जीवन में हमारे मध्यमवर्गीय परिवारों के जीवन में हमारे गरीब परिवारों के जीवन में एक बड़ी खुशी की लहर है। मैं माननीय प्रधानमंत्री जी को साधुवाद देना चाहूंगा धन्यवाद देना चाहूंगा । माननीय वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि इतने मेथोडिकल तरीके से और एक एक आइटम का निर्णय लिया गया और इस निर्णय से सभी परिवारों में खुशी का माहौल है। आने वाले समय में आप देखेंगे नवरात्रि के पहले दिन से जब जीएसटी की नई रेट्स लागू होगी तब हमारे देश में बहुत बड़ी करोड़ों देशवासियों के जीवन में एक खुशी की लहर आएगी।

रामस्वरूप विश्वविद्यालय में विद्यार्थी परिषद के शांतिपूर्ण आंदोलन पर बाहरी गुंडों द्वारा हमला, पुलिसकर्मियों द्वारा बर्बर लाठीचार्ज व विधि पाठ्यक्रम के अवैध संचालन पर कार्यवाही की मांग को लेकर अभाविप का विरोध प्रदर्शन

अभाविप ने अपर जिलाधिकारी प्रयागराज को सौंपा ज्ञापन, 48 घंटे में कार्यवाही की मांग

भारत संवाद

प्रयागराज, रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चलाए जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन पर विश्वविद्यालय प्रशासन के निजी गुंडों द्वारा हमला तथा पुलिसकर्मियों द्वारा छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज किए जाने के साथ ही विधि पाठ्यक्रम के अवैध संचालन सहित अनेक अनियमितताओं पर कार्यवाही में हो रहे विलंब के विरोध में आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, प्रयाग महानगर के कार्यकर्ताओं ने कटरा एवं जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर अपर जिलाधिकारी प्रयागराज के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

अभाविप की प्रमुख मांगें इस प्रकार है:

1. लाठीचार्ज प्रकरण में संलिप्त पुलिसकर्मियों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के निजी गुंडों पर कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा किसके आदेश पर लाठीचार्ज हुआ, यह तथ्य शीघ्र सार्वजनिक किया जाए।

2. बिना नवीनीकरण व अनुमति के अवैध रूप से संचालित विधि पाठ्यक्रम की संपूर्ण तथ्यात्मक जांच कराई जाए। जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्रवाई कर विश्वविद्यालय को बंद किया जाए। इसके अतिरिक्त, विलंब शुल्क के नाम पर धन उगाही, सामाजिक कल्याण के नाम पर मनमाने शुल्क और अन्य वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। साथ ही, आंदोलनरत दो छात्रों को बिना कारण निष्कासित करना पूर्णतः अवैधानिक है, दोषियों को दंडित कर छात्रों को न्याय दिलाया जाए।

3. उच्च शिक्षा परिषद के सचिव द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर शीघ्र कार्यवाही प्रारंभ की जाए।

4. विश्वविद्यालय द्वारा लगभग 6 बीघे सरकारी भूमि (नाली, तालाब, बंजर व चकमार्ग) पर किए गए अवैध कब्जे पर तहसीलदार न्यायालय द्वारा ?27.96 लाख का जुमार्ना लगाते हुए 25 अगस्त 2025 को कब्जा हटाने का आदेश दिया गया है। अवैध निर्माण को तत्काल हटाया जाए और आदेश का अनुपालन कराया जाए। अभाविप प्रयाग महानगर मंत्री प्रतीक मिश्रा 'सूरज' ने कहा कि ह्लरामस्वरूप विश्वविद्यालय में विधि विद्यार्थियों के न्याय हेतु संघर्षरत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं और विद्यार्थियों पर बर्बर लाठीचार्ज अत्यंत निंदनीय एवं अमानवीय है। मानक विहीन और बिना नवीनीकरण के चल रहा विधि पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खुला अन्याय है। बुधवार को ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा विश्वविद्यालय को सशर्त (प्रोविजनल) अनुमति दी गई है, जो यह सिद्ध करता है कि अब तक यह पाठ्यक्रम अवैध रूप से संचालित था। आज केवल प्रयागराज ही नहीं बल्कि प्रदेश के सभी जिला केंद्रों पर आंदोलन हो रहे हैं।

फास्ट ट्रैक

प्रयागराज-नैनी खण्ड में गऊघाट के निकट 2100 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल जमीन अतिक्रमण से करायी गयी मुक्त

अतिक्रमण से मुक्त करायी गयी जमीन की अनुमानित कीमत 8.63 करोड़ रुपये से अधिक

भारत संवाद

आज दिनांक 04.09.2025 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ द्वितीय, प्रयागराज श्री भूपेश पाण्डेय के नेतृत्व में इंजीनियरिंग विभाग, रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा कीडगंज एवं मुट्ठीगंज थाने की पुलिस बल के साथ मिलकर प्रयागराज-नैनी खंड में गऊघाट के निकट रेलवे पुल संख्या - 30अ किमी 822/4-8 पर रेलवे भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इस अभियान में लगभग 8.63 करोड़ रुपये कीमत की 2100 वर्गमीटर से अधिक जमीन अतिक्रमण से मुक्त करायी गयी। इस अभियान में प्रयागराज मण्डल के इंजीनियरिंग विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल और राज्य पुलिस ने मिलकर कार्य किया। रेलवे प्रशासन द्वारा अतिक्रमणकारियों को भूमि खाली करने के लिए लिए पूर्व में नोटिस दिया गया था। जिन अतिक्रमणकारियों ने भूमि खाली नहीं की, उन्हें रेल प्रशासन ने राज्य पुलिस के सहयोग से जमीन से बाहर कर दिया और जमीन को मुक्त कर लिया गया । प्रयागराज मण्डल में 160 किमी की गति से गाड़ियों के परिचालन के लिए दीवार का निर्माण किया जा रहा है । दीवार के निर्माण के क्रम में जिन स्थानों पर अतिक्रमण किया गया उन सभी जमीनों को खाली करने के विरुद्ध क्रमबद्ध अभियान चलाए जा रहा है। प्रयागराज मण्डल के रेल प्रशासन द्वारा आगामी समय में ऐसे अभियान सघनता से चलाए जाएंगे । मिशन रफ्तार के अंतर्गत दिल्ली और हावड़ा के बीच रेल यात्रा को तेज करने के लिए 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेन चलाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इसमें ट्रैक को अपग्रेड करने, सिग्नलिंग सिस्टम में सुधार करने, और लेवल क्रॉसिंग को हटाने एवं सुरक्षा दीवार बनाने जैसे कार्य शामिल हैं ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति एन0आर0एल0एम0 की बैठक आहूत कर प्रगति की समीक्षा कर ली गई जानकारी

- आजिविका से जुड़ने वाली महिला समूहों को उद्यमियो समन्वय स्थापित कर विभिन्न कार्यो से जुड़ने हेतु किया जाए प्रयास
- विकास खण्ड मझवां, जमालपुर, पटेहरा कला व हलिया के विभिन्न मदो में सबसे खराब प्रगति पर व्यक्त की गई नाराजगी

भारत संवाद

मीरजापुर - जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन की बैठक आहूत कर योजना के तहत संचालित विभिन्न कार्यो की प्रगति की समीक्षा कर जानकारी ली गई। कई योजना/कार्यो में विकास खण्ड मझवां, जमालपुर, पटेहरा कला एवं हलिया की सबसे खराब प्र्रगति पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए खण्ड विकास अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अन कार्यो में खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा रूचि नही ली जा रही है जिसके कारण से प्रत्येक योजना/मदों में खराब प्रगति हैं। उन्होंने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि व्यक्तिगत रूचि लेते हुए लोकोस प्रोफालिंग अप्रूव एस0एच0जी0, बी0ओ0 प्रोफालिंग, सी0एल0एफ0 आनलाइन ट्रांजेक्शन का शुभारम्भ, बी0ओ0 आनलाइन ट्रांजेक्शन प्रगति, एस0एच0जी0/सी0एल0एफ0 आनलाइन ट्रांजेक्शन प्रगति को 25 सितम्बर 2025 तक शत प्रतिशत पूर्ण कराना सुनिश्चित कराएं। इसी प्रकार परिवार संतृप्तिकरण व एस0एच0जी0 बी0ओ0 मैपिंग, सी0एल0एफ0 रजिस्ट्रेशन के प्रगति को इस माह के अन्त तक विकास खण्ड हलिया व जमालपुर 70 प्रतिशत तथा शेष विकास खण्ड शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी मा0 महापौर द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाले दाधिकान्दों मेला कीडगंज के दृष्टिगत चौकी मार्ग का किया गया निरीक्षण

भारत संवाद

दिनांक 04-09-2025 को उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी मा0 महापौर द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाले दाधिकान्दों मेला कीडगंज के दृष्टिगत चौकी मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय विकास सेन जोनल अधिकारी, संजय कटियार मुख्य अभियन्ता विधुत राधे लाल सहायक अभियन्ता अनिल मौर्या, नगर अभियन्ता, डम्बर सिंह, सहायक अभियन्ता, राम सक्सेना अवर अभियन्ता, विश्वलेन्द्र नाथ अवर अभियन्ता जलकल क्षेत्रीय पार्षद मुकेश लारा व रूद्रसेन उपस्थित रहे। सर्वप्रथम दाधिकान्दों मेला मैदान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पाया गया मैदान के अन्दर जाने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त है जिसे तत्काल जी0एस0बी डालकर ठीक कराने के आदेश दिये गये। शंकर लाल भार्गव रोड पर जगह जगह गढडे पाये गये तथा जल निगम द्वारा स्थापित सीवर के ढक्कन टूटे/क्षतिग्रस्त पाये गये। इसके अतिरिक्त पटरी जगह जगह क्षतिग्रस्त पायी गयी तथा विकास प्राधिकरण द्वारा स्थापित मार्ग प्रकाश बिन्दुओं के तार सड़क के ऊपर निकले पाये गये जिससे दुर्घटना हो सकती है। धरकार बस्ती के सामने बड़ी मात्रा में कबाड़ तथा कीचड़ व पानी का लीकेज पाया गया |के0एल0 कीडगंज व कबाड़ी मार्केट वाली रोड पर भी गढढे पाये गये तथा मार्ग प्रकाश विन्दु बुझे पाये गये। शती बाबा चौराहे पर चौराहा क्षतिग्रस्त पाया गया ।इसके अतिरिक्त जितने भी लिंग मार्ग के निकासी द्वारा थे क्षतिग्रस्त पाये गये। गोरा कब्रिस्तान के पास अत्याधिक मात्रा में कूड़ा डम्प पाया गया |मा0 महापौर द्वारा उपरोक्त से सम्बन्धित उपस्थित सभी अधिकारी को निर्देश दिये गये कि मेले के पूर्व मेला मार्ग पर लटके तारों को ऊँचा करने का कार्य, क्षतिग्रस्त पटरी व लिंक मार्ग के एप्रोच मार्ग को ठीक कराने, मार्गो पर समुचित सफाई, मलवा/कूड़ा निस्तारण, कीट नाशक का छिड़काव, लीकेज, सीवर के टूटे ढक्कनों को बदलने का कार्य, पैच वर्क, चोक सीवर/नालियों की सफाई तथा समुचित मार्ग प्रकाश की व्यवस्था आवारा पशुओं के पकड़ने का कार्य, अस्थाई मार्ग प्रकाश, शौचालय व पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय । जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नगर निगम प्रयागराज द्वारा अर्बन बजार विकसित करने की योजना के तहत आमंत्रित की गई निविदा

भारत संवाद

प्रयागराज नगर निगम नगर क्षेत्र की आधार भूत संरचना एवं प्रशासन का दायित्व निभाता है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए नवाचार एवं निजी क्षेत्र की सहभागिता को प्रोत्साहित करता है। इसी क्रम में निगम द्वारा सरोजिनी नायडू मार्ग पर ह्लअर्बन बाजारह्व विकसित किए जाने की योजना बनाई गई है, जिसकी निविदा प्रयागराज नगर निगम द्वारा 20 अगस्त, 2025 को आमंत्रित की गयी है।

प्रस्तावित अर्बन बाजार का मुख्य उद्देश्य प्रयागराज के नागरिकों को एक व्यवस्थित, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण वातावरण में फल-सब्जी एवं खान-पान की सुलभ सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। इस परियोजना के अंतर्गत सरोजनी नॉयडू मार्ग के कुल 1000 मीटर में से लगभग 250 मीटर लंबे हिस्से पर कुल 60 आधुनिक एवं आकर्षक डिजाइन वाले फूड जॉइंट्स स्थापित किए जा रहे हैं। इससे बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों के लिए एक सुरक्षित और सार्वजनिक स्थल का निर्माण होगा तथा प्लेस-मेकिंग के दृष्टिकोण से एक आदर्श बाजार का विकास होगा।

सन् 2020 में टाउन वेंडिंग कमेटी द्वारा नगर क्षेत्र में कुल 28 स्ट्रीट वेंडिंग जोन बनाए जाने का प्रस्ताव पारित हुआ था, जिसमें सरोजिनी नायडू मार्ग भी शामिल था। उस समय लगभग 460 वेंडिंग स्पॉट का विचार रखा गया था, किन्तु विभिन्न कारणों से योजना क्रियान्वित नहीं हो सकी। इस बीच प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने सरोजिनी नायडू मार्ग के पूरे 1000 मीटर लंबे हिस्से पर ग्रीन बेल्ट विकसित की है, जिससे उपलब्ध स्थान सीमित हो गया है।

वर्तमान में पूरे मार्ग पर केवल लगभग 50 पथ विक्रेताओं द्वारा फल-मण्डी एवं सब्जी-मण्डी लगायी जा रही है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा ग्रीनरी का कार्य कराये जाने से पूर्व जितने भी पटरी पर गतिमान पथ-विक्रेताओं द्वारा अपना जीवन-यापन किया जाता था, उनको ग्रीनरी बनाये जाने के उपरान्त दिवार व नाली के बीच के शेष स्थान पर स्थानीय रुप से रोजगार किये जाने हेतु अवसर उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से अर्बन बाजार बनाये जाने की योजना प्रस्तावित की जा रही है। ऐसे में 60 कियोस्क/फूड जॉइंट्स का प्रस्तावित अर्बन बाजार न केवल मौजूदा विक्रेताओं को व्यवस्थित रूप से स्थान उपलब्ध करायेगा, बल्कि स्थानीय नागरिकों को भी बेहतर सुविधा देगा।

यह परियोजना स्ट्रीट वेंडर्स ;त्वजमबजपवद वि स्पअमसपीववक ंदक त्महनसंजपवद व ि जतममज टमदकपदहद्ध एक्ट 2014 के प्रावधानों के अनुरूप आगे बढ़ाई जा रही है। प्रयागराज नगर निगम का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडिंग गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है, ताकि व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में नागरिकों को सुलभ दरों पर गुणवत्तापूर्ण वस्तुएँ मिल सकें।

प्रयागराज जंक्शन पर चलाया गया किलबंदी टिकट चेकिंग अभियान

भारत संवाद

प्रयागराज मण्डल अपने सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सुविधाएँ प्रदान करने के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, श्री हिमांशु शुक्ला के निर्देशन में विविध अभियान चलता रहता है ।प्रयागराज मण्डल सभी यात्रियों को आसान टिकट वितरण, अच्छा भोजन, स्वच्छ पेय जल एवं शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं गाड़ियों में टिकट चेकिंग अभियान चलाता रहता है ।इसी क्रम में दिनांक 03.09.2025 को सहायक वाणिज्य प्रबंधक, श्री दिनेश कुमार के नेतृत्व में 18 टिकट निरीक्षकों एवं 5 रेलवे सुरक्षा बल / राजकीय रेलवे पुलिस कर्मियों ने मिलकर प्रयागराज जंक्शन पर किलाबंदी कर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया।इस अभियान में कुल 327 यात्रियों को प्रभारित कर 2,00,350/- रुपये जुमार्ना स्वरूप वसूल किए गए ।इनमें से बिना टिकट यात्रा के लिए 94 यात्रियों को प्रभारित कर 84,100/- रुपये एवं अनियमित यात्रा के लिए 233 यात्रियों को प्रभारित कर 1,16,250/- रुपये वसूल किए गए ।इस अभियान में 12 गाडियां चेक की गई । बिना टिकट एवं अनियमित टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए प्रयागराज मण्डल में अगस्त 2025 में किलाबंदी कर प्रयागराज छिवकी पर 3, प्रयागराज जंक्शन पर 3, कानपुर सेंट्रल पर 4, अलीगढ़ जंक्शन पर 2 एवं टूंडला जंक्शन पर 1 टिकट चेकिंग अभियान सहित कुल 13 टिकट चेकिंग अभियान चलाया गए ।इन अभियानों में 3485 यात्रियों को प्रभारित कर 22,13,265/- रुपये वसूल किए गए ।इनमें से बिना टिकट यात्रा के लिए 1342 यात्रियों को प्रभारित कर 11,70,055/- रुपये, अनियमित यात्रा के लिए 2097 यात्रियों को प्रभारित कर 10,19,380/- रुपये एवं गंदगी फैलाने के लिए 36 यात्रियों को प्रभारित कर 23,830/- रुपये वसूल किए गए ।इस अभियान में 188 गाडियां चेक की गई ।

कानपुर सेन्ट्रल पर चलाया जा रहा सघन चेकिंग अभियान

भारत संवाद

चेकिंग के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वालों और अवैध वेंडिंग करने वालो के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने एवं जागरूक करने के उद्देश्य से उप मुख्य यातायात प्रबंधक/कानपुर श्री आशुतोष सिंह के दिशा निर्देशन में कानपुर सेंट्रल पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक श्री विनय अभ्भी, वाणिज्य निरीक्षक के डी मीणा सहित वाणिज्य विभाग की टीम द्वारा दिनांक 3/09/25 से 4/09/25 तक चेकिंग का दैरान 9 अवैध वेंडरों को पकड़ कर अग्रिम कार्यवाही के लिए रेलवे सुरक्षा बल, कानपुर सेन्ट्रल को सुपुर्द किया गयो साथ ही बिना टिकट यात्रा करने वाले 68 लोगो से 57000 रु जुमार्ना सहित वसूल किया। इस दौरान समय समय पर यात्रियों से फीडबैक फॉर्म पर विवरण लेते हुए उनकी संतुष्टि का अवलोकन किया गया साथ ही उन्हें खान पान मूल्यों के विषय में तथा टिकट लेकर यात्रा करने हेतु जागरूक भी किया गया

सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने सीखा प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार

भारत संवाद

सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने शोभा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल त्रिवेणीपुरम, झूंसी, प्रयागराज का शैक्षिक भ्रमण कर स्वास्थ्य संबंधी प्राथमिक उपचार का महत्व सीखा। इस दौरान अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कौशलेंद्र नाथ त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को बताया कि शिक्षा केवल सैद्धांतिक (थियोरेटिकल) नहीं बल्कि प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) भी होनी चाहिए। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को शरीर के विभिन्न अंगों किडनी, लीवर, ह्यूमन स्केलेटन आदि की सूक्ष्म जानकारी दी गई। साथ ही गंभीर बीमारियों में प्राथमिक उपचार और सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस अक्सर पर प्रिया मिश्रा, कनक यादव, अंशिका यादव, शुभी यादव, संध्या यादव काव्या यादव, तनीषा शर्मा, साक्षी सिंह, तनु यादव, वैष्णवी त्रिपाठी, वर्तिका यादव, निखिल मिश्रा, अनुराग तिवारी, प्रांशु तिवारी, प्रशांत यादव और स्तुति केसरवानी सहित कई विद्यार्थियों ने जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर पर विद्यार्थियों विद्यार्थियों के के साथ उनकी शिक्षिका पूना सिंह उपस्थिति रही। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद मणि त्रिपाठी ने कहा कि विद्यालय के प्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद मणि त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों को प्राथमिक उपचार की जानकारी होना बेहद आवश्यक है, क्योंकि आजकल हार्ट अटैक जैसी समस्याएँ आम हो गई हैं, जिनका समय पर प्राथमिक उपचार मिलने से किसी की जान बचाई जा सकती है।रवहीं प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि प्रैक्टिकल ज्ञान विद्यार्थियों को उनके ज्ञान के सदुपयोग से जोड़ता है।

उत्सव श्री वामन जयंती श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिकता का उत्सव

भगवान विष्णु के पंचम अवतार भगवान श्री वामन जी की जयंती पर परमार्थ निकेतन में विशेष पूजा अर्चना

भारत संवाद

ऋषिकेश। आज परमार्थ निकेतन में भगवान विष्णु के पंचम अवतार, भगवान श्री वामन जी की जयंती श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक भक्ति भाव के साथ मनायी। यह पावन दिन हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सच्ची शक्ति बाहरी वैभव, पद या सामर्थ्य में नहीं, बल्कि विनम्रता, धर्म और समर्पण में है। भगवान वामन जी का अवतरण त्रेता युग में हुआ, जब असुरराज बलि ने अपने सामर्थ्य और दानशीलता के बल पर तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया था। देवगण असुरों के बढ़ते प्रभाव से व्याकुल थे और धर्म की रक्षा हेतु भगवान विष्णु जी ने वामन रूप धारण किया। वामन जी ने एक साधारण ब्राह्मण बालक का रूप लिया और असुरराज बलि से यज्ञ के अवसर पर तीन पग भूमि माँगी। बलि ने अपने वचन को निभाते हुए तीन पग भूमि देने का संकल्प किया, तभी भगवान वामन ने विराट स्वरूप धारण कर लिया और एक पग में पृथ्वी, दूसरे पग में आकाश और तीसरे पग में स्वयं बलि का अहंकार समेट लिया।

यह प्रसंग केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक शाश्वत संदेश है कि ईश्वर की योजना और धर्म की व्यवस्था के आगे अहंकार, अन्याय और असत्य कभी स्थायी नहीं रह सकते। वामन अवतार यह स्पष्ट करता है कि जब भी अधर्म और अहंकार बढ़ता है, तब दिव्य शक्ति अवतरित होकर संतुलन स्थापित करती है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि अहंकार मनुष्य के पतन का कारण है और विनम्रता मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाती है। भगवान वामन का दिव्य स्वरूप हमें याद दिलाता है कि छोटे से छोटे कार्यों को भी यदि धर्म और ईमानदारी से किया जाए, तो वह महान बन जाता है।

स्वामी जी ने कहा कि वामन जयंती हमारे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जीवन का उत्सव है। आधुनिक समय में जब भौतिकता और स्वार्थ बढ़ रहा है, वामन अवतार का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। हमें स्मरण रखना होगा कि समाज और राष्ट्र की उन्नति केवल बाहरी विकास से नहीं होती, बल्कि चरित्र, संस्कार और धर्म के पालन से होती है। यदि हम विनम्रता, धर्मनिष्ठा और सेवा भाव को अपने जीवन का अंग बना लें, तो परिवार, समाज और देश में समरसता और शांति स्थापित होगी।

जिस प्रकार भगवान वामन जी ने ब्रह्मांड को अपने चरणों में समेटकर यह सिखाया कि ईश्वर सर्वव्यापी हैं, उसी प्रकार हमें भी हर प्राणी में ईश्वर का अंश देखकर प्रेम और करुणा का व्यवहार करना चाहिये।

भगवान श्री वामन जी का यह अवतार हमें यह भी प्रेरित करता है कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी धर्म का साथ कभी न छोड़ें। असुरराज बलि ने अपने वचन को निभाकर भले ही अपना सब कुछ समर्पित कर दिया, परंतु उनका सत्यनिष्ठ और धर्मनिष्ठ स्वभाव आज भी उन्हें महादानी और महान भक्त के रूप में स्मरणीय बनाता है। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि यदि हम धर्म और सत्य का पालन करें तो वह जीवन में पराजय भी महानता का मार्ग बन सकती है।

मंगलायतन विश्वविद्यालय में उत्साह के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय का 19वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस भव्य समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना और विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति के साथ हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर कर्मचारियों के योगदान को विशेष रूप से सराहा गया। वहीं समारोह में पांच से पंद्रह वर्ष की सेवाएं पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने शिक्षा, अनुसंधान और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही समाज और राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं। मंगलायतन विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। उन्होंने सभी कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के स्वर्णिम भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति में उसके कर्मियों की अहम भूमिका होती है। हर दिन एक नई चुनौती लेकर आता है, लेकिन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी का एकजुट रहना आवश्यक है। एकजुटता ही संस्था को उन्नति के पथ पर अग्रसर करती है। आभार व्यक्त डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा ने किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रील प्रतियोगिता में चयनित पुरस्कार प्राप्त वीडियो रील्स की स्क्रीनिंग और पुरस्कार वितरण भी किया गया। जिसमें प्रथम स्थान कौशिक व दीपशिखा शर्मा ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर अमन सिंह व प्रांशु पाठक एवं तृतीय स्थान पर हर्षिता व सत्यम रहे। वहीं राघव तिवारी, आयुष गुप्ता, रोहन, नीतीश, बाला कृष्णा, विनीत कुमार, मनीष शर्मा को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में अवतार सिंह कुंतल, डा. अशोक उपाध्याय, ममता देवी, उदय कुशवाह, यादवेंद्र ठेनुआ, मोहन माहेश्वरी, राजुल यादव, यशिका गुप्ता, नरसिंह शर्मा, नीरज कुमार थे।

चंद्र ग्रहण में प्रारंभ होकर सूर्य ग्रहण के साथ समाप्त होंगे श्राद्ध पक्ष

इस बार चंद्र ग्रहण पर बन रहे अशुभ संयोग : स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ। पितरों के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने के पावन दिन श्राद्ध इस बार दुर्लभ खगोलीय संयोग चंद्रग्रहण के साथ प्रारंभ होकर 21 सितंबर को सूर्य ग्रहण के साथ समाप्त होंगे। हालांकि सूर्य ग्रहण का असर भारत में नहीं होगा।ऐसा दुर्लभ संयोग 122 साल बाद देखने को मिल रहा है। वैदिक शास्त्रों में सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण अलग अलग प्रभाव रखते हैं। इस बार 7 सितंबर रविवार को लगने वाला चंद्रग्रहण न केवल खगोलीय दृष्टि से, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टिकोण से भी बेहद खास माना जा रहा है,यह वर्ष का अंतिम और पूर्ण चंद्रग्रहण होगा जो भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों में दिखाई देगा। वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज ने श्राद्ध पक्ष के पहले दिन लगने वाले ग्रहण के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि रविवार रात 9:57 मिनट से प्रारंभ होने वाले इस चंद्र ग्रहण का समापन रात्रि 1:27 मिनट पर होगा। स्थानीय ग्रहण की अवधि लगभग 03 घंटे 30 मिनट की होगी। भारत में दिखाई देने के कारण इसके सूतक भी मान्य रहेंगे।इस चंद्र ग्रहण के समय चंद्रमा कुंभ राशि में रहेंगे, जहां पहले से राहु स्थित हैं।ऐसे में राहु और चंद्रमा की युति से ग्रहण योग बनेगा। दूसरी ओर, सूर्य और केतु की युति कन्या राशि में होने से भी ग्रहण योग बन रहा है और ये दोनों चंद्रमा-राहु के ठीक सामने यानी सप्तम भाव में स्थित होने से समसप्तक योग बना रहें है

उत्तर प्रदेश मत्स्यजीवी सहकारी संघ की विभागीय समीक्षा सभापति द्वारा की गई

जिले में स्थित तालाबों को कब्जामुक्त कराते हुए शत-प्रतिशत आवंटन के दिए निर्देश

सहकारी समितियों को वितरित किए स्वीकृति प्रमाण-पत्र

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ़। सभापति उत्तर प्रदेश मत्स्यजीवी सहकारी संघ लिमिटेड श्री वीरू साहनी द्वारा गुरूवार को सर्किट हाउस सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ मत्स्य पालकों के हित में संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई।सभापति ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा मत्स्य पालकों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, आवश्यकता समुचित प्रचार-प्रसार कर पूरी पारदर्शिता से उनको धरातल पर योजनाओं को लागू करने की है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मत्स्य पालकों के हित में सहकारी समितियों को भी अब निषादराज बोट सब्सिडी योजना में आवेदन करने की छूट प्रदान करने के साथ ही हैसियत प्रमाण पत्र की बाध्यता समाप्त की गई है।उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में अवस्थित सभी तालाबों को कब्जामुक्त कराते हुए उनका आवंटन सुनिश्चित किया जाए, इससे जहां एक ओर सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी वहीं मत्स्यपालकों को रोजगार के और अधिक अवसर सृजित होंगे। बैठक का संचालन करते हुए सहायक निदेशक मत्स्य प्रियंका आर्या ने बताया कि जिले में 950 हैक्टेयर क्षेत्रफल में 1234 तालाब हैं जिनमें से अब तक 666 हैक्टेयर के 752 तालाबों का आवंटन हो गया है। उन्होंने बताया कि 36 लाख मत्स्य बीज वितरण के सापेक्ष 38 लाख का वितरण कर दिया गया है। निषादराज बोट सब्सिडी योजना में 24-25 में 02 के लक्ष्य के सापेक्ष 02 को लाभान्वित किया गया।25-26 में 02 के लक्ष्य के सापेक्ष 03 को स्वीकृत कर शासन को भेजा गया है। मोपेड विद आइस बॉक्स योजना में 03 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।जबकि प्रशिक्षण एवं भ्रमण के लिए 08 के लक्ष्य के सापेक्ष पोर्टल पर 08 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मछुआ बाहुल्य ग्राम अकराबाद के बरहद में 11 सोलर स्ट्रीट लाइट एवं 02 हाई मास्ट लाइट स्थापित कराई गई हैं। सघन मत्स्य पालन के लिए एयरेशन सिस्टम की स्थापना के तहत विगत वर्ष 04 को लाभान्वित किया गया जबकि इस वर्ष 03 को प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने बताया कि केसीसी कार्ड की प्रगति में 105 के लक्ष्य के सापेक्ष 109 स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं जिनमें से केवल 01 मत्स्य पालका का केसीसी स्वीकृत हुआ है।सभापति केसीसी की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए बैंकर्स के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन योजनाओं में लक्ष्य कम है उनमें शासन से पैरवी कर और अधिक लक्ष्य प्राप्त किया जाए ताकि अधिकाधिक मत्स्यपालकों को लाभान्वित किया जा सके। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि रिवर रैंचिंग के तहत 2.35 लाख मत्स्य बीज मत्स्य विकास निगम को प्रेषित कर दिए गए हैं। मछुआ दुर्घटना बीमा में 1354 के लक्ष्य के सापेक्ष 877 को लाभान्वित किया गया है। आईजीआरएस पोर्टल पर कोई आवेदन लंबित नहीं है।इस अवसर पर मत्स्यपालक भूरेलाल एवं विवेक गौतम ने मत्स्य पालकों के लिए निःशुल्क विद्युत कनेक्शन, मत्स्य उत्पादन के लिए एमएसपी निर्धारण एवं मत्स्य फीड के सैंपल की व्यवस्था मत्स्य विभाग से कराए जाने की बात कही जिस पर मा0 सभापति ने मुख्यमंत्री जी के समक्ष उनकी बातों को रखने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर 05 नई गठित मत्स्यजीवी सहकारी समितियों दीनापुर, हमीदपुर, रामनगर, लोहगढ़ एवं शहरी मदनगढ़ी को स्वीकृति प्रभाण पत्र भी वितरित किए गए।

वृहद रोजगार मेला खुशीराम महाविद्यालय खैर में 10 सितम्बर को आयोजित

गोपाल शर्मा संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ़। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेन्टर, राजकीय आईटीआई एवं खुशीराम महाविद्यालय में संयुक्त रूप से 10 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से वृहद रोजगार मेले का आयोजन खुशीराम महाविद्यालय खैर में किया जा रहा है।मेले में कुल 21कम्पनियां प्रतिभाग कर विभिन्न रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया द्वारा योग्य अभ्याथीर्यों का चयन किया जायेगासहायक निदेशक सेवायोजन ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में विजन इण्डिया सर्विस नोयडा, टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेंट सेंटर, अलीगढ़, पे टीम नोयडा, ईएफएस प्रा0लि0 सुडियाल अलीगढ, एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस देहरादून एवं अन्य के द्वारा सिक्योरिटी सर्विस, मार्केटिंग, अकाउण्टेन्ट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवाईजर, सुपरवाईजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इन्चार्ज, टेलीकालर आदि के पदों पर हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, बीटैक, बीबीए, एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

टाटानगर-जम्मू तवी मुरी एक्सप्रेस का हाथरस स्टेशन एवं दिल्ली-अलीपुर द्वार महानंदा एक्सप्रेस का शिकोहाबाद स्टेशन पर ठहराव

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की विशेष सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी सं. 18101/18102 टाटानगर-जम्मू तवी मुरी एक्सप्रेस का **हाथरस स्टेशन** एवं गाड़ी सं. 15484/15483 दिल्ली-अलीपुर द्वार महानंदा एक्सप्रेस का **शिकोहाबाद स्टेशन** पर ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी: प्रारम्भिक स्टेशन से	तिथि से प्रभावी: हाथरस/शिकोहाबाद स्टेशन पर ठहराव
18101 टाटानगर-जम्मू तवी मुरी एक्सप्रेस (सप्ताह में 3 दिन)	हाथरस	17:25	17:27	07.09.25	08.09.2025
18102 जम्मू तवी-टाटानगर मुरी एक्सप्रेस (सप्ताह में 3 दिन)	हाथरस	09:03	09:05	06.09.25	07.09.2025
15484 दिल्ली-अलीपुर द्वार महानंदा एक्सप्रेस (प्रतिदिन)	शिकोहाबाद	11:45	11:47	07.09.25	07.09.2025
15483 अलीपुर द्वार-दिल्ली महानंदा एक्सप्रेस (प्रतिदिन)	शिकोहाबाद	15:38	15:40	07.09.25	08.09.2025

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1605/25 (ADM)

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की अवश्य मीटिंग आयोजित हुई

प्रवीन कु. शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। भारतीय मजदूर संघ कार्यालय पर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में कार्यरत कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में भारतीय मजदूर संघ के ब्रज प्रांत के संगठन मंत्री श्री शंकर लाल जी और प्रदेश मंत्री श्री देव वर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष श्री मृदुल कुमार सिंह ने की और संचालन कोषाध्यक्ष श्री धीरेन्द्र सिंह ने किया। उल्लेखनीय है कि बैठक में चर्चा-परिचर्चा के पश्चात क्षय-रोग से लड़ रहे कर्मचारियों की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्विरोध गठन भारत माता के जय घोष के साथ हुआ।पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर बृजप्रांत के संगठन मंत्री श्री शंकर लाल जी ने कहा कि कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्विरोध गठन संगठन की एकता और सामूहिक नेतृत्व को दशार्ता है। प्रदेश मंत्री श्री देव वर्मा जी ने पंच परिवर्तन पर प्रकाश डाला।महानगर मंत्री श्री पुरुषोत्तम शर्मा और अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मृदुल कुमार सिंह ने कर्मचारियों से संगठित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करने के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया और उनका आभार व्यक्त कियो कार्यकारिणी में श्री कुलदीप शर्मा को अध्यक्ष, अनिल चौधरी, विशाल विक्रम सिंह, दीपिका चौहान, डेविड कुमार शाही को उपाध्यक्ष, श्रीमती पूनम चौहान को जिला मंत्री, संदीप शर्मा, मोहनलाल, शशांक गुप्ता, अजय प्रताप सिंह को संयुक्त मंत्री, सुरेंद्र कुमार को संगठन मंत्री, नईम अहमद को कोषाध्यक्ष, ललित कुमार को प्रचार मंत्री, दुशाक वशिष्ठ को कार्यालय मंत्री और गिरीश कुमार, दिलीप गुप्ता, के एल माहोर, राजेश कुमार को कार्यकारिणी सदस्य का दायित्व दिया गयो

सांसद खेल महोत्सवः छिपी प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच गाँव-गाँव और गली-गली से सामने आएंगी प्रतिभाएं

20 सितम्बर तक होंगे पंजीकरण एवं 21 सितम्बर से 25 दिसम्बर तक होंगी प्रतियोगिताएं

गोपाल शर्मा संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ़।सांसद खेल महोत्सव अब गांव-गांव और गली-गली की छिपी खेल प्रतिभाओं को बड़ा मंच देने जा रहा है। सांसद श्री सतीश कुमार गौतम ने कहा कि अब खिलाड़ियों के चयन में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता, योग्य खिलाड़ी ही आगे बढ़ते हैं और पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सांसद खेल महोत्सव आगामी 21 सितम्बर से आरंभ होकर 25 दिसम्बर तक आयोजित होगा, जिसमें सभी वर्गों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे।इस संबंध में कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद श्री गौतम ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने खेलों को गांव-गांव तक पहुँचाया है।खेलों की संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।उन्होंने जिले के अधिक से अधिक खिलाड़ियों का पंजीकरण सुनिश्चित कराने के लिए शिक्षण संस्थाओं को जिम्मेदारी सौंपी है।उन्होंने बताया कि पंजीकरण 29 अगस्त से 20 सितम्बर 2025 तक होंगे।प्रतिभागी आयु वर्ग 12 से 17 वर्ष एवं 17 वर्ष से अधिक ओपन वर्ग में पंजीकृत हो सकेंगे।पंजीकरण केंद्र सरकार द्वारा जारी मोबाइल एप के माध्यम से होगा। खेलों का आयोजन ग्राम, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर होगा। खेल दो श्रेणियों में होंगे।

पितृपक्ष विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित पितृपक्ष विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 01661/01662 रानी कमलापति-गया एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 01661 रानी कमलापति - गया: आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी संख्या - 01662 गया - रानी कमलापति: आगमन	प्रस्थान
----	13:20	रानी कमलापति	10:45	----
00:18	00:20	मानिकपुर	23:08	23:10
00:38	00:40	डभौरा	21:50	21:52
02:10	02:15	प्रयागराज छिवकी	20:30	20:35
03:45	03:47	मिर्ज़ापुर	19:08	19:10
09:30	----	गया	----	14:15

रानी कमलापति से:- गाड़ी संख्या 01661, दिनांक 07.09.2025 (रवि), 12.09.2025 (शुक्र) एवं 17.09.2025 (बुध) को। **गया से:-** गाड़ी संख्या 01662, दिनांक 10.09.2025 (बुध), 15.09.2025 (सोम) एवं 20.09.2025 (शनि) को। **गाड़ी संरचना:-** सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 13, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी सं. 01705/01706 जबलपुर-गया एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 01705 जबलपुर - गया: आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी संख्या - 01706 गया - जबलपुर: आगमन	प्रस्थान
----	19:35	जबलपुर	04:15	----
00:18	00:20	मानिकपुर	23:08	23:10
00:38	00:40	डभौरा	21:50	21:52
02:10	02:15	प्रयागराज छिवकी	20:30	20:35
03:45	03:47	मिर्ज़ापुर	19:08	19:10
09:30	----	गया	----	14:15

जबलपुर से:- गाड़ी संख्या 01705, दिनांक 09.09.2025 (मंगल), 14.09.2025 (रवि) एवं 19.09.2025 (शुक्र) को। **गया से:-** गाड़ी संख्या 01706, दिनांक 08.09.2025 (सोम), 13.09.2025 (शनि) एवं 18.09.2025 (गुरू) को। **गाड़ी संरचना:-** सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 13, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी सं. 09817/09818 सोगरिया-गया एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09817 सोगरिया - गया: आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी संख्या - 09818 गया - सोगरिया: आगमन	प्रस्थान
शनि	23:10	सोगरिया	01:10	मंगल
13:00	13:02	मानिकपुर	10:48	10:50
13:20	13:22	डभौरा	10:08	10:10
15:50	15:55	प्रयागराज छिवकी	08:35	08:40
18:58	19:00	मिर्ज़ापुर	05:33	05:35
23:45	रवि	गया	सोम	01:15

सोगरिया से:- गाड़ी संख्या 09817, दिनांक 06.09.2025 से 20.09.2025 तक। **गया से:-** गाड़ी संख्या 09818, दिनांक 07.09.2025 से 21.09.2025 तक। **गाड़ी संरचना:-** सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1616/25 (A)

पूर्व सांसद चौधरी बिजेंद्र सिंह ने पौने तीन लाख वोटो के फजीवड़ि का आरोप लगाते हुए प्रेस वार्ता में फोड़ा हाइड्रोजन बम

डोली शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़ ।पूरे देश के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के परिणाम अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा सरकार हर प्रकार के हथकंडे अपनाती है और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके फर्जी वोट बढ़ाकर इसकी व्यूह रचना पहले ही तैयार कर ली जाती है ।इस प्रकार के आरोप लगाते हुए अलीगढ़ के पूर्व सांसद और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता चौधरी बिजेंद्र सिंह ने अलीगढ़ के राजनीति में हाइड्रोजन बम फोड़ा है ।श्री सिंह का दावा है अलीगढ़ जनपद में भी मतदाता सूचियों में जबरदस्त फजीर्वाड़ा किया गया है और यहां पर बीएलओ की सहायता से लगभग पौने तीन लाख वोटरों की डबलिंग की गई जोकि वास्तव में लोकतन्त्र की हत्या है और सात लाख मतदाताओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है ।पूर्व सांसद ने इसे एक सुनियोजित और राजनैतिक षड्यंत्र बताया और इसका पूरा ठीकरा सरकार और निर्वाचन आयोग के साथ साथ सरकारी मशीनरी पर फोड़ा ।पूर्व सांसद ने कहा कि अगर ये गड़बड़ी दस बीस हजार की होती तो समझ में आता है लेकिन यहां पर फजीर्वाड़े की पराकाष्ठा को पार कर दिया गया है और हकीकत है कि इस तरह का फजीर्वाड़ा करने की भाजपा में ट्रेनिंग दी जाती है ।उन्होंने कहा कि इस तरह की धांधली संभवतः अन्य जनपदों में भी चलाई जा रही है जबकि सच तो ये है कि इस तरह के चुनाव महत्वहीन हैं और लोकसभा के चुनाव में खुद भी भाजपा की इसी धांधलेबाजी के कारण चुनाव हारे हैं ।पूर्व सांसद ने कहा कि अगर ऐसा नहीं है तो जिला प्रशासन 2023और2024 की मतदाता सूची के प्रकाशन की सीडी उन्हें क्यों नहीं उपलब्ध कराता जबकि यह उनका संवैधानिक अधिकार है ।अंत में पूर्व सांसद ने ये भी स्पष्ट किया इससे भी ज्यादा हैरानी तब होगी जब ये पता चलेगा कि इस फजीर्वाड़े में विधानसभा वार किसके कितने वोट काटे गए हैं

त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्याः 07357/07358 हुब्बल्लि - रक्सौल विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 07357 हुब्बल्लि - रक्सौल: आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 07358 रक्सौल - हुब्बल्लि: आगमन	प्रस्थान
-------	09:00	हुब्बल्लि जं.	05:25	-------
06:30	06:32	मानिकपुर जं.	07:50	07:52
08:05	08:15	प्रयागराज छिवकी जं.	05:40	05:50
09:40	09:42	मिर्जापुर	04:23	04:25
23:30	-------	रक्सौल जं.	-------	16:55

हुब्बल्लि से: गाड़ी सं. .07357, प्रत्येक शनिवार, दिनांक- 06.09.2025 से 27.12.2025 तक, **रक्सौल से:** गाड़ी सं. 07358, प्रत्येक मंगलवार, दिनांक- 09.09.2025 से 30.12.2025 तक, **संरचना:** वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 05, स्लीपर श्रेणी: 10, सामान्य श्रेणी: 04

नोट– ट्रेन की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1615/25(DG)

रामगोपाल सिंह की फार्मास्युटिक्स पुस्तक का हुआ विमोचन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के फामेर्सी विभाग के सहायक प्राध्यापक रामगोपाल सिंह द्वारा लिखित पुस्तक फार्मास्युटिक्स का विमोचन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।इस अवसर पर कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा व डिप्टी रजिस्ट्रार डा. जितेंद्र यादव उपस्थित रहे।

PET-2025 परीक्षा स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन एवं विस्तार

भारतीय रेल द्वारा अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित PET-2025 परीक्षा हेतु दिनांक 06.09.2025 व 07.09.2025 को निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों का आवश्यकतानुसार संचालन एवं विस्तार की व्यवस्था निम्न विवरणानुसार होगी :–

वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - प्रयागराज जं. विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	प्रथम सेवा: आगमन	प्रथम सेवा: प्रस्थान	द्वितीय सेवा: आगमन	द्वितीय सेवा: प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	-----	15:25	-----	21:30
मऊरानीपुर	16:25	16:27	22:30	22:32
महोबा जंक्शन	17:50	17:52	23:50	23:52
बाँदा	19:00	19:05	01:10	01:15
अतर्रा	19:50	19:52	01:40	01:42
चित्रकूट धाम कर्वी	20:30	20:32	03:05	03:07
मानिकपुर जंक्शन	21:30	21:32	04:10	04:12
शंकरगढ़	22:40	22:42	05:30	05:32
प्रयागराज जंक्शन	00:30	-----	07:15	-----

वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - गोविन्दपुरी विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	प्रथम सेवा: आगमन	प्रथम सेवा: प्रस्थान	द्वितीय सेवा: आगमन	द्वितीय सेवा: प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	-----	13:30	-----	18:50
उरई	15:15	15:15	21:10	21:22
पुखरायां	16:05	16:05	22:00	22:02
भीमसेन जंक्शन	17:10	17:12	23:45	23:47
गोविन्दपुरी	18:10	-----	00:20	-----

गाड़ी संख्या 64613 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बांदा मेमू का दिनांक 06.09.2025 एवं 07.09.2025 को चित्रकूट धाम कर्वी स्टेशन तक विस्तार एवं गाड़ी संख्या 64611 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - मानिकपुर जंक्शन मेमू की सेवा को समय परिवर्तित कर संचालन किया जाएगा।

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन न0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1618/25 (C)

उत्तर मध्य रेलवे

No. DYCE-II-GSU-PRYJ-06 & 07-2025 दिनांकः 03.09.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य अभियन्ता-II/जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे** के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं। बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते है। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नंजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा संख्याः DYCE-II-GSU-PRYJ-06-2025

निविदा प्रणालीः खुली निविदा- एकल पैकेट प्रणाली

कार्य का विवरणः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में पनकीधाम-जीएमसी चौथी लाइन और 03 अतिरिक्त लूप लाइन के संबंध में उप मुख्य इंजीनियर-II/जी.एस.यू./प्रयागराज के अधीन पनकीधाम यार्ड में 4 नए ईसीयू और सीजीएस भवन का निर्माण।

अनुमानित लागतः ₹ 2.60 करोड़, **धरोहर धनराशिः** ₹ 2,80,000/- **निविदा फार्म का मूल्यः** 0.00/-, **खुलने की तिथिः 26.09.2025, 15.00** Hrs. **कार्य समापन अवधिः** 05 महीने।

निविदा संख्याः DYCE-II-GSU-PRYJ-07-2025

निविदा प्रणालीः खुली निविदा- दो पैकेट प्रणाली

कार्य का विवरणः उत्तर मध्य रेलवे, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/सड़क सुरक्षा परियोजना के कार्यालय के लिए सामान्य परामर्शदाता की नियुक्ति।

अनुमानित लागतः ₹ 8.99 करोड़, **धरोहर धनराशिः** ₹ 5,99,800/- **निविदा फार्म का मूल्यः** 0.00/-, **खुलने की तिथिः 06.10.2025, 15.00** Hrs. **कार्य समापन अवधि** 24 महीने।

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर निर्धारित तिथि तक **15.00** बजे तक उपलब्ध रहेगा। **2.** उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको **I.T. Act 2000** के अन्तर्गत **CCA** द्वारा जारी **Class-III, Digital** हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। **5.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1604/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

गांधी पार्क में हुआ रामलीला के लिए बल्ली पूजन

सहारनपुर। श्री राधा कृष्ण मंदिर क्लब के तत्वावधान में 39वें श्रीरामलीला एवं शुभ दशहरा महोत्सव हेतु गांधी पार्क में बल्ली पूजन किया गया। श्रीरामलीला स्थल पर पंडित आत्माराम ने मंत्रोच्चार कर हवन व पूजा पाठ कराया। पूजा पाठ का कार्य क्लब के प्रधान जोगेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। इसके पश्चात बल्ली पूजन किया गया और जय श्रीराम की जय जयकार की गयी। इस अवसर पर क्लब के प्रधान जोगेन्द्र कुमार, महामंत्री राकेश शर्मा, संयोजक राकेश वत्स, गुरमीत सिंह शन्टी, विक्रान्त सैनी, विकास शर्मा, रमेश चन्द्र छबीला, विपिन सलूजा, विनय वत्स, अक्षय त्यागी, अनुज वत्स, संजय चौहान, प्रथम वत्स, गगन सैनी, गगन भण्डारी, रंजन करल, नितिन शरद, इतन खुराना, हरविन्द्र गोंसाई, सचिन घई आदि मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धि पत्र

ई-निविदा सं0: E Tender No. PRYJ-GSU-S&T-ROB-1-2025

विवरण : उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में एल-क्रासिंग संख्या 32 (टीडीएल-ईटीडब्ल्यू खंड पर किमी 1166/2-4 पर), एल-क्रासिंग संख्या 83 (सीएनबी-ईटीडब्ल्यू खंड पर किमी 1032/9-11 पर), एल-क्रासिंग संख्या 86-बी (सीएनबी-रूरा खंड पर किमी 1040/09-11ए पर) के स्थान पर 2 लेन आरओबी के निर्माण के संबंध में एसएंडटी कार्य।

शुद्धिपत्र का विवरण

संबंध में शुद्धिपत्र : ई-निविदा खुलने की तिथि

From : 03.09.2025 **To :** 08.09.2025

नोट : 1. निविदा प्रपत्र **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **2.** निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में **12:30 बजे** या उसके बाद खोली जाएगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होता है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस को खोली जाएंगी। **3.** निविदा खुलने की तारीख से **60 दिन। 4.** रेल प्रशासन बिना कोई कारण बताए निविदा को स्थगित/संशोधित करने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। **5.** काम की समान प्रकृति-ईआई के डिजाइन, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग या ईआई के परिवर्तन से संबंधित कोई सिग्नलिंग कार्य। 1434/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा संवाद वेब आफ्सेट, ज्ञान गंगा कालानी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से मुद्रित एवं ज्ञान गंगा कालानी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

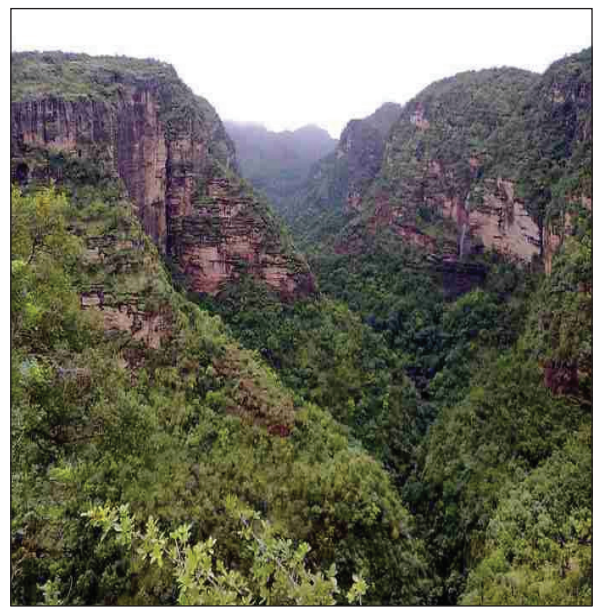

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

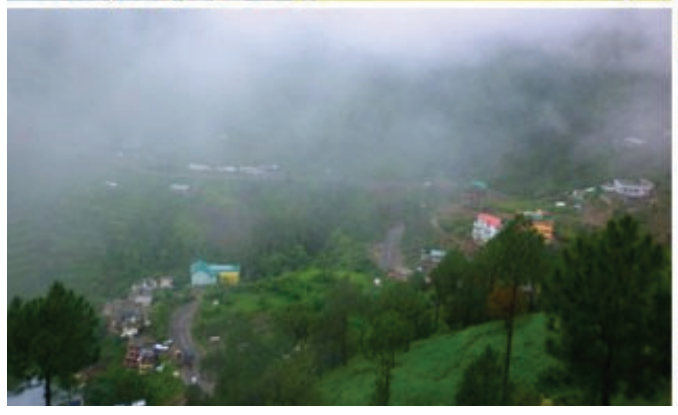

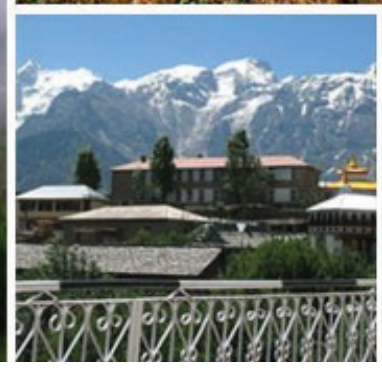

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्ध गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

अमेरिका का वेनेजुएला की नाव पर हमला, 11 की मौत

विदेश मंत्री बोले- ड्रग्स की तस्करी हो रही थी, ट्रम्प ने उड़ाने का आदेश दिया

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी सेना ने मंगलवार को वेनेजुएला की एक नाव पर हमला किया जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने खुलासा किया है कि खुद ट्रम्प ने नाव पर हमला करने का आदेश दिया था। यह हमला मंगलवार को कैरिबियन सागर में हुआ था। रुबियो ने कहा कि वे चाहते तो उस नाव को सीज कर सकते थे, लेकिन ट्रम्प ने इसके बजाय उसे उड़ाने का आदेश दिया। रुबियो ने कहा कि सिर्फ ड्रग्स की खेप जब्त करने से कार्टेल पर असर नहीं पड़ने वाला है। उन्हें खत्म करना है तो उन्हें उड़ाना ही होगा। रुबियो ने यह भी कहा कि नाव पर मौजूद लोगों को कोई चेतावनी नहीं दी गई क्योंकि वह ह्यकोकीन या फेंटेनाइलह्ल ड्रग से भरी हुई थी। यह अमेरिका के लिए सीधा खतरा थी। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया कि जहाज पर ह्यट्रेन डे अरागुआ गिरोहह्ल के सदस्य थे। अमेरिका इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। ट्रम्प ने दावा किया

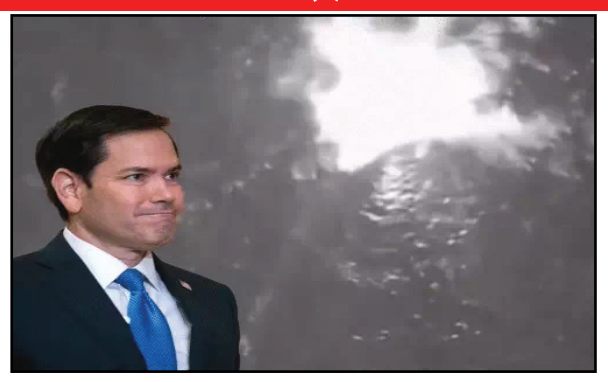

कि नाव पर भारी मात्रा में ड्रग्स था। ट्रम्प ने इससे जुड़ा फुटेज भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें एक स्पीडबोट पानी में दौड़ती दिखाई देती है और फिर विस्फोट में उड़ जाती है। वीडियो ज्यादातर ब्लैक-एंड-व्हाइट है और इसमें साफ दिखाई नहीं देता कि नाव पर कितने लोग हैं या ड्रग्स मौजूद हैं या नहीं। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने अब तक इस हमले के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने तो यहां तक सवाल उठाया कि क्या इतनी छोटी नाव में सचमुच 11 लोग बैठ सकते थे। यह भी स्पष्ट नहीं है कि सेना ने नाव को रोकने के बजाय उसे उड़ाने का फैसला क्यों किया। आमतौर पर तटरक्षक बल या अमेरिकी नौसेना ड्रग्स से लदी नावों को पकड़कर चालक दल को हिरासत में लेती रही है और उन पर मुकदमा भी चलता रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अमेरिकी नौसेना पहले भी अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में संदिग्ध जहाजों को रोकती और उनकी जांच करती रही है। लेकिन मंगलवार को कैरिबियन सागर में हुआ यह हमला बिल्कुल अलग था, क्योंकि इस बार सीधा हमला किया गया। ट्रम्प प्रशासन ने इस कार्रवाई का कोई कानूनी तर्क नहीं दिया। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने टीवी चैनल पर कहा कि अधिकारियों को पूरी जानकारी थी कि नाव में कौन लोग थे और वे क्या कर रहे थे। हालांकि, उन्होंने कोई सबूत नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ऐसे आक्रामक कदम उठाने को तैयार हैं, जो पहले किसी ने नहीं उठाए। रक्षा विभाग के कुछ अधिकारियों ने प्रशासन के बदलते बयानों पर चिंता जताई। रुबियो ने मंगलवार को कहा था कि नाव त्रिनिदाद जा रही थी, जबकि ट्रम्प ने कहा था कि वह अमेरिका जा रही थी। पेंटागन अब यह तय करने में लगा है कि जनता को किस कानूनी आधार पर यह समझाया जाए कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुए इस हमले को कैसे जायज ठहराया जाए। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी संसद ने ट्रेन डे अरागुआ या वेनेजुएला के खिलाफ किसी तरह की सैन्य कार्रवाई को मंजूरी नहीं दी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा जब किसी देश ने आत्मरक्षा के नाम पर ड्रग्स तस्करी के शक में लोगों को उड़ा दिया हो। कानून में तस्करों को मारने की इजाजत नहीं रुबियो ने मंगलवार को कहा था कि सरकार को ड्रग तस्करों के खिलाफ सैन्य बल इस्तेमाल करने का अधिकार मिलता है। लेकिन कानून के जानकारों का कहना है कि ऐसा नहीं है। आतंकवादी घोषित करने से सरकार उनकी संपत्ति जब्त कर सकती है या उन पर वित्तीय पाबंदी लगा सकती है, लेकिन युद्ध जैसी कार्रवाई का अधिकार नहीं मिलता।

पुतिन बोले- ट्रम्प भारत-चीन को धमकाना बंद करें

दोनों देशों को टैरिफ से नहीं डरा सकते; अगर वे झुके तो उनकी राजनीति खत्म हो जाएगी

एजेंसी

बीजिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत और चीन को टैरिफ के नाम पर धमकाना बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा कि दोनों (भारत-चीन) देश उनकी धमकी से डरने वाले नहीं हैं। चीन की विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के बाद बुधवार (3 सितंबर) को मीडिया से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि ट्रम्प, भारत या चीन से इस तरह से बात नहीं कर सकते। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'भारत और चीन का इतिहास हमलों से भरा है। अगर इन देशों का कोई नेता कमजोरी दिखाएगा तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो

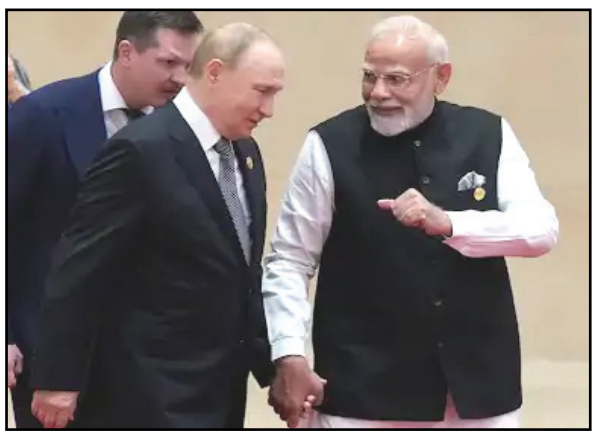

सकता है।' दरअसल, ट्रम्प भारत पर कई बार आरोप लगा चुके हैं कि भारत रूसी तेल खरीदता है और यूक्रेन जंग में रूस का साथ दे रहा है। ट्रम्प अपने टैरिफ को जंग सुलझाने वाला हथियार बताते हैं। ट्रम्प ने बुधवार को द स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में कहा था कि इस (टैरिफ) नीति की वजह से अमेरिका को ताकत मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोकी हैं। पुतिन ने अमेरिका के रवैये को पुराना और रूढ़िवादी मानसिकता वाला बताया। उन्होंने कहा, 'औपनिवेशिक युग अब खत्म हो चुका है। अमेरिका को समझना होगा कि वह अपने पार्टनरों से ऐसी भाषा में बात नहीं कर सकता।' हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में तनाव कम होगा और सामान्य राजनीतिक बातचीत फिर शुरू होगी। पुतिन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब भारत रूसी तेल खरीदने के कारण अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है और चीन अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध में उलझा है। 1 सितंबर को चीन के तियानजिन में एससीओ की बैठक हुई। बैठक से पहले फोटो सेशन के दौरान भारतीय ढट नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन एक साथ नजर आए। तीनों नेताओं को एक-दूसरे का हाथ पकड़े हुए भी देखा गया। भारत, चीन और रूस के नेताओं ने आपसी दोस्ती का प्रदर्शन किया, जिससे अमेरिका बेचैन हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस को विशेष और विश्वसनीय साझेदार बताया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया के दो सबसे ज्यादा आबादी वाले देशों को दोस्त होना चाहिए।

गाजा पर कब्जा कर इमारतें बेचेंगे ट्रम्प

दुबई जैसा बनाएंगे; फिलिस्तीनियों को गाजा छोड़ने के बदले 4 लाख रुपए और 4 साल का रेंट मिलेगा

एजेंसी

गाजा, पिछले 23 महीनों से इजराइली हमलों के चलते गाजा पट्टी पूरी तरह से तबाह हो गई है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की गाजा को दुबई जैसा टूरिस्ट और फाइनेंशियल स्पॉट बनाने की योजना सामने आई है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक एक 38 पेज की सरकारी दस्तावेज में गाजा को हाई-टेक मेगासिटी में बदलने की योजना का जिक्र है। इस योजना को 'गाजा रीकंस्ट्रक्शन, इकोनॉमिक एक्सेलरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशनल ट्रस्ट' नाम दिया गया है। इसे करीब 9 लाख करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। ट्रम्प इन इमारतों को ऊंचे दामों पर बेचेंगे। वहीं, इसके लिए 20 लाख लोगों को निकाला जाएगा, जिन्हें शहर छोड़ने के बदले 4 लाख रुपए और बसने के लिए 4 साल तक का किराया दिया जाएगा। साथ ही एक साल तक फ्री भोजन भी देने की बात कही गई है। दस्तावेज में ट्रम्प, एलन मस्क और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का जिक्र है। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों और एक्सपर्ट्स ने इसे गाजा से लोगों को निकालने और नरसंहार की साजिश करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक गाजा से लोगों को निकाल कर मिस्र, कतर जैसे देशों में रखा जाएगा या फिर फिलिस्तीन के ही किसी एक क्षेत्र में रखा जाएगा। इन लोगों को तब तक गाजा से बाहर रहना होगा, जब तक इलाके का पुनर्विकास नहीं हो जाता। जमीन मालिकों को उनकी

संपत्ति के बदले डिजिटल टोकन दिए जाएंगे, जबकि रहने वालों को 323 वर्ग फीट के छोटे घरों में रहना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक जितने लोग गाजा छोड़ेंगे, निवेश उतना घटेगा। हर 1% आबादी के विस्थापन से 40 हजार करोड़ रुपए बचेंगे। गाजा योजना में ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर और पूर्व ब्रिटिश पीएम टोनी ब्लेयर की भूमिका अहम है। कुशनर पहले भी गाजा के वॉटरफ्रंट को मूल्यवान संपत्ति बताते रहे हैं। योजना में गाजा को सऊदी अरब के नियोम प्रोजेक्ट की तर्ज पर 8 एआई-संचालित मेगासिटी और एक 'एलन मस्क मैन्युफैक्चरिंग पार्क' में बदलने की बात है, जो पहले इजराइल के नष्ट किए गए ईरेज औद्योगिक क्षेत्र पर बनेगा। गाजा की सीमा के पास की कृषि भूमि को इजराइल के लिए सुरक्षा बफर जोन में बदला जाएगा। गाजा को 10 सालों तक अमेरिकी ट्रस्टीशिप के तहत चलाया जाएगा। रिपोर्ट में इस योजना के पीछे का मकसद भारी मुनाफा कमाना है। यह योजना कुछ इजराइली विशेषज्ञों और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के विशेषज्ञों ने तैयार की है। इसमें इजराइली-अमेरिकी उद्यमी माइकल आइजेनबर्ग और लिरन टैंकमैन का नाम है। इन्होंने गाजा में एक 'ग्रेट ट्रस्ट' नामक संस्था की स्थापना का सुझाव दिया है। इसके जरिए गाजा पट्टी को पहले हमास मुक्त करने और फिर धीरे-धीरे अमेरिकी नियंत्रण में स्मार्ट सिटी और आर्थिक जोन में बदलने की तैयारी है। हालांकि, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने कहा कि यह दस्तावेज उनकी मंजूरी के बिना तैयार किया गया और इस पर काम करने वाले दो वरिष्ठ एक्सपर्ट्स को निकाल दिया गया है। व्हाइट हाउस या अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने इस योजना की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। लेकिन यह योजना ट्रम्प के पुराने बयानों से मिलती है जिसमें उन्होंने गाजा को साफ करने और उसे दोबारा बसाने की बता कही थी। इजराइली सेना (आईडीएफ) का कहना है कि गाजा के लगभग 75% हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा पट्टी उस 25% इलाके में है

अमेरिका में कैथल के युवक की हत्या

मां बोली- पत्नी ने बॉयफ्रेंड संग मिलकर मारा, पहले राखी बांधती थी; 80 लाख खर्च कर गया था

एजेंसी

कैथल, हरियाणा के कैथल के रहने वाले युवक की अमेरिका में हत्या कर दी गई। अमेरिका में ही रह रही युवक की मां ने बेटे की पत्नी और उसके बॉयफ्रेंड पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

मां ने सोशल मीडिया पर इस संबंध में एक वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में मां ने आरोपी पर पहले बेटे की पत्नी से राखी बंधवाने और फिर

प्रेमजाल में फंसाने का आरोप लगाया है। इसके बाद साजिश रचकर हत्या करने की बात कही है। आरोपी के एक अन्य दोस्त को भी इस साजिश में शामिल बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। मृतक की पहचान कौल गांव के 40 वर्षीय विकास निवासी कौल गांव, कैथल के तौर पर हुई है। वह 3 साल पहले पत्नी और बेटी के साथ अमेरिका गया था।

फिलहाल, अमेरिकी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। आरोपी फरार है, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। उधर, मामला सामने आने के बाद अमेरिका में रह रहे हरियाणवी मूल के लोगों ने इसे

लेकर वहां पंचायत की। इस पंचायत में 3 अहम फैसले लिए गए, जिनमें मृतक की बेटी को उसकी दादी को सौंपने, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कराने और तीसरा उनका सामाजिक बहिष्कार करना शामिल है। इसके अलावा गुरुवार की शाम गांव कौल में भी सर्वसमाज की पंचायत हुई, जिसमें मामले को लेकर कई बड़े फैसले लिए गए।

जीएसटी सुधार 'बयानबाजी', राज्यों को 10,000 करोड़ का नुकसान : असदुद्दीन ओवैसी

ओवैसी का केंद्र पर तीखा हमला

एजेंसी

एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को केंद्र सरकार के इस दावे की आलोचना की कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में नवीनतम सुधारों से उपभोग बढ़ेगा और कहा कि पिछले एक दशक में इस तरह की बयानबाजी और संवाद से आम आदमी को कोई फायदा नहीं हुआ है। एआईएमआईएम नेता ने चेतावनी दी कि इन बदलावों के परिणामस्वरूप राज्य सरकारों को सामूहिक रूप से 8,000-10,000 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का सामना करना पड़ सकता है।मीडिया से बात करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हमने जो भी बयानबाजी और संवाद देखे हैं, उनसे आम आदमी को कोई फायदा नहीं हुआ है। हम इसका स्वागत नहीं कर सकते क्योंकि इसका राज्यों के राजस्व और वित्त पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा और प्रत्येक राज्य को 8 से 10 हजार करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होगा। इस बीच, पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने जीएसटी दरों को दो स्लैब में तर्कसंगत बनाने के केंद्र के फैसले में देरी पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि वह 1 जुलाई, 2017 को इसे लागू करने के

असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र के जीएसटी सुधारों को ₹बयानबाजी₹ बताकर आलोचना की है और राज्यों के लिए 8,000-10,000 करोड़ रुपये के बड़े राजस्व घाटे की चेतावनी दी है। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले एक दशक में ऐसी बयानबाजी से आम आदमी को कोई लाभ नहीं हुआ है, जिससे आर्थिक नीति पर गंभीर बहस छिड़ गई है।

आठ साल बाद अपनी गलती का ₹एहसास₹ करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी और पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन सहित कई अर्थशास्त्रियों ने कर ढांचे को लेकर चिंता जताई थी जब इसे पहली बार लागू किया गया था। मदुरै में पत्रकारों से बात करते हुए चिदंबरम ने कहा, ₹मैं आठ साल बाद अपनी गलती का एहसास होने के लिए सरकार की सराहना करता हूँ। आठ साल पहले, जब यह कानून लागू किया गया था, तब यह गलत था। उस समय, हमने सलाह दी थी कि ऐसा कर नहीं लगाया जाना चाहिए। तत्कालीन मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन ने भी सलाह दी थी कि यह एक गलती थी। एनडीए सरकार को अपनी गलतियों का एहसास होने के लिए धन्यवाद देते हुए, चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों की आलोचना की कि उन्होंने जीएसटी की कमियों के बारे में कांग्रेस की दलीलों को नजरअंदाज किया।

बारिश से पहाड़ों पर तबाही का कारण इंसान : सुप्रीम कोर्ट

प्रकृति अवैध पेड़ कटाई का बदला ले रही; केंद्र, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, पंजाब को नोटिस

अगस्त से 3 सितंबर तक: पंजाब में 1600 से ज्यादा गांवों में बाढ़

पंजाब के सभी 23 जिलों में बाढ़ आ गई है। 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य में सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी की छुट्टियां 3 सितंबर से बढ़ाकर 7 सितंबर कर दी गई हैं। 1 अगस्त से 3 सितंबर तक बाढ़ में 37 लोगों की मौत हुई है। पठानकोट में 3 लापता हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पंजाब में बारिश से हो रही तबाही पर चिंता जताई है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि यह सिर्फ प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि इंसानों का पैदा किया गया संकट है। कोर्ट ने कहामुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच

ने गुरुवार को अनामिका राणा की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही है। कोर्ट ने केंद्र और इन चारों राज्यों समेत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण , पर्यावरण मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को नोटिस भेजा और तीन हफ्तों में जवाब मांगा। साथ ही केंद्र से ठोस कदम उठाने की कहा है।सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रकृति पेड़ों की कटाई का बदला ले रही है।याचिकाकर्ता अनामिका राणा ने कोर्ट में कहा कि हिमाचल में बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में लकड़ियां बहकर आईं, जिससे साफ है कि बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी। इस पर बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा,इन आपदाओं के पीछे पहाड़ों पर अवैध पेड़ कटाई एक बड़ी वजह है। पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है इसलिए अब प्रकृति बदला ले रही है। मेहता ने कहा कि वह पर्यावरण और वन मंत्रालय के सचिव से संपर्क करेंगे और उनसे पूरी जानकारी मांगेंगे। उन्होंने कहा कि हमने प्राकृतिक चीजों के साथ हस्तक्षेप किया है कि अब वह हमें नुकसान पहुंचा रही है। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर सहमति जताई। हिमाचल के कुल्लू में 24 जून को बादल फटने के बाद आई बाढ़ के चलते सैकड़ों टन लकड़ियां बहकर पंडोह डैम तक पहुंची थीं। सोशल मीडिया पर इसे पुष्पा स्टाइल में पेड़ों की अवैध कटाई से जोड़कर वायरल किया गया। पूरी खबर पढ़ें... उत्तरकाशी जिले के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से 34 सेकेंड में धराली गांव जमींदोज हो गया था। जबकि 50 से ज्यादा लोग लापता हुए थे।

बीएसएफ का भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बड़ा एक्शन, 1.99 लाख के जाली नोटों की तस्करी नाकाम

भारत-बांग्लादेश सीमा से बीएसएफ द्वारा की गई यह बरामदगी केंद्र सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, जो दावा करती रही है कि 500 और 1000 रुपये के नोटों को बंद करने से आतंकवाद के वित्तपोषण और नकली मुद्रा की तस्करी पर पूरी तरह से रोक लग गई है।

एजेंसी

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले से 2 लाख रुपये मूल्य के नकली भारतीय नोट (एफआईसीएन) जब्त किए हैं। उन्होंने बांग्लादेश से नकली मुद्रा की तस्करी की एक कोशिश को नाकाम कर दिया। भारत-बांग्लादेश सीमा से बीएसएफ द्वारा की गई यह बरामदगी केंद्र सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, जो दावा करती रही है कि 500 ??और 1000 रुपये के नोटों को बंद करने से आतंकवाद के वित्तपोषण और नकली मुद्रा की तस्करी पर पूरी तरह से रोक लग गई है। 14 फरवरी को, बीएसएफ ने एनआईए के साथ एक संयुक्त अभियान में, मालदा के गोपालगंज इलाके में चुरियन्टपुर सीमा चौकी से उमर फारुक उर्फ ??फिरोज नामक एक नकली मुद्रा गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया। फारूक को जिले के कालियाचक थाना अंतर्गत गोलापगंज इलाके से गिरफ्तार किया गया। 19 सितंबर, 2015 को दर्ज 5,94,000 रुपये मूल्य के जाली नोटों की तस्करी के एक पुराने मामले में एनआईए को उसकी तलाश थी।

नीतीश का बड़ा ऐलान: 5 साल में 1 करोड़ युवाओं को मिलेगी नौकरी, बिहार में विकास की लहर

सारण के मढ़ौरा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यकताओं से संवाद कर बिहार के चहुँमुखी विकास का विश्लेषण किया। उन्होंने 2005 से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में प्रगति, 10 लाख सरकारी नौकरी व 39 लाख रोजगार सृजन रेखांकित किए। मुफ्त बिजली, महिला रोजगार जैसी नई पहलों, केंद्र के सहयोग बताया। मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं से विकास संदेश जनता तक पहुँचाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के विकास में केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है

एजेंसी

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार आज सारण जिला के मढ़ौरा अनुमंडल अंतर्गत मढ़ौरा थाना के पीछेस्थित खेल मैदान में कार्यकताओं के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे प्रगति यात्रा की योजनाओं के स्थल भ्रमण एवं कार्यारम्भ एवं शिलान्यास के लिए यहाँ आने तथा आपसे बातचीत करने का मौका मिला है। यह बहुत खुशी की बात है कि इस कार्यकर्ता संवाद में बड़ी संख्या में आप सब लोग उपस्थित हैं। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूँ।

आप सब जानते हैं कि 2005 से पहले की सरकार ने बिहार के विकास के लिए कोई काम नहीं किया, पहले बहुत बुरा हाल था। जब बिहार में 24 नवंबर, 2005 को एन०डी०ए० की सरकार बनी, तब से हमलोग बिहार के विकास में लगे हुये हैं और राज्य में कानून का राज है। सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। शुरू से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य में बड़े पैमाने पर सड़कों, पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। सात निश्चय के तहत हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय तथा टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम पूरा हो गया है। हमलोगों ने सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, हर घर तक बिजली, हर घर तक पक्की गली एवं नाली का निर्माण आदि का काम कराया।वर्ष 2020 में युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी एवं 10 लाख रोजगार देना तय किया गया। वर्तमान तक युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी एवं 39 लाख रोजगार दे दिया गया है। चुनाव से पहले ही 50 लाख से अधिक लोगों को नौकरी एवं रोजगार दे दिया जायेगा। हमलोगों ने अब तय किया है कि अगले 5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी / रोजगार दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिहार का बजट लगातार बढ़ रहा है।